बामर लॉरी इनवेस्टमेंटस लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
Balmer Lawrie Investments Ltd.
(A Government of India Enterprise)

पंजीकृत कार्यालय :
21, नेताजी सुभाष रोड
कोलकाता – 700 001
फोन : (91) (033) 2222 5227

Regd. Office :
21, Netaji Subhas Road
Kolkata - 700 001
Phone : (91)(033) 2222 5227
CIN : L65999WB2001GOI093759

Ref: BLIL/SE/BM/2022

Date: 17th June, 2022

The Secretary,
The Calcutta Stock Exchange Ltd.
7, Lyons Range,
Kolkata – 700 001

Scrip Code – **12638**

The Secretary,
BSE Ltd.
Phiroze Jeejeebhoy Towers
Dalal Street
Mumbai- 400001

Scrip Code - **532485**

Dear Sir/Madam,

Subject: **Newspaper Advertisement- Public Notice for Voluntary Delisting of Equity Shares of the Company from Calcutta Stock Exchange Limited**

Pursuant to Regulation 6(1)(c) of Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity Shares) Regulations, 2021 (as amended) and in terms of Regulation 30 of Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, we hereby enclose the copy of Newspaper Advertisement with respect to Voluntary Delisting of Equity Shares of the Company from Calcutta Stock Exchange Limited, published on Thursday, 16th June, 2022 in Business Standard Newspaper (Hindi-All India Edition)

The copy of the said newspaper advertisement is also available on the website of the Company at www.blinv.com.

Request you to take the above information on record.

Yours faithfully,
For **Balmer Lawrie Investments Limited**

Abhishek Lahoti
Abhishek Lahoti
Company Secretary

Encl: as above

बीत गए क्रिप्टो निवेशकों के अमीर बनने के दिन!

राजेश भयानी
मुंबई, 15 जून

बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टो करेंसी की कीमतों में भारी गिरावट ने भारत में पहले से ही आसमान से जमीन पर आ चुके क्रिप्टो करेंसी बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। वैश्विक और घरेलू कीमतें पिछले साल नवंबर से लगातार नीचे आई हैं। नवंबर में बिटकॉइन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 68,000 डॉलर के आसपास पहुंच गई थीं, लेकिन हाल में प्रमुख क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की कीमत में भारी गिरावट देखी गई है।

बिटकॉइन की कीमत पिछले सप्ताह में 30,000 डॉलर से करीब 30 प्रतिशत गिरी है। पिछले एक महीने में इसमें 35 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है, जबकि पिछले दो और छह महीने में 48 प्रतिशत और 58 प्रतिशत की कमजोरी आई है। मौजूदा समय में बिटकॉइन 21,100 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है। अरोड़ा रिपोर्ट के अल्गो ट्रेडिंग सलाहकार और लेखक निगम अरोड़ा का कहना है, 'बाजारों में हमारा 30 साल का अनुभव हमें सिखाता है कि जब कोई चीज काफी नीचे गिर जाएगी तो बाजार उसे बाहर निकाल देगा। अब, मेरा मानना है कि तेजड़िये खरीदारी करेंगे और बिटकॉइन को ऊपर ले जाने के प्रयास में 20,000-21,000 डॉलर के दायरे में बनाए रखने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा, हमारे विश्लेषणों में कई मार्जिन कॉल हैं कि क्या बिटकॉइन 19,000 डॉलर से नीचे जाएगी। ये

क्रिप्टो में गिरावट

- मौजूदा समय में बिटकॉइन 21,100 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है
- बिटकॉइन की कीमत पिछले सप्ताह में 30,000 डॉलर से करीब 30 प्रतिशत गिरी है
- नवंबर में बिटकॉइन कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 68,000 डॉलर पर पहुंच गई थीं

मार्जिन कॉल सही साबित हुए हैं और अगला लक्षित दायरा 15,000-16,000 डॉलर है।'

अरोड़ा ने कहा कि दिलचस्प यह है कि करीब एक महीने पहले बिटकॉइन गिरकर 21,000 डॉलर पर आ सकती थी, जब क्रिप्ट 31,280 डॉलर पर थी। अरोड़ा की तरह अन्य विश्लेषकों का भी मानना है कि बिटकॉइन 20,000 का निचला स्तर दर्ज कर सकती है। उसके बाद, बाजार क्रिप्टकरेंसी के लिए एकतरफा होंगे, और जल्द अमीर बनने के दिन निवेशकों के लिए लद गए हैं।

वजीरएक्स के उपाध्यक्ष राजागोपाल मेनन ने कहा, 'वर्ष के शुरू से ही बाजार विभिन्न अनिश्चितताओं के कारण कमजोर बने हुए हैं। इन अनिश्चितताओं में रूस-यूक्रेन युद्ध, लगातार बढ़ रही मुद्रास्फीति, ब्याज दर वृद्धि, और चीन में लॉकडाउन की वजह से आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित समस्याएं मुख्य तौर पर शामिल हैं। सूक्ष्म स्तर पर कुछ अज्ञात घटनाक्रम का भी इस गिरावट में योगदान रहा है।'

रविवार को, प्रख्यात वैश्विक क्रिप्ट ऋणदाता सेल्सियस नेटवर्क ने विपरीत बाजार हालात का हवाला देते हुए सभी अदला-बदली, निकासी और खातों के बीच स्थानांतरण रोक दिए। अब कंपनी ने वित्तीय पुनर्गठन अटॉर्नी की नियुक्ति की है। एक अन्य घटनाक्रम में आज सुबह क्रिप्ट बाजार के एक बेहद प्रख्यात कारोबार एक बड़े क्रिप्ट हेज फंड के संबंध में 40 करोड़ डॉलर की दिवालिया जांच की खबर सामने आई।

क्रिप्ट रिसर्च एवं रेटिंग कंपनी क्रेबैको के संस्थापक एवं मुख्य कार्याधिकारी सिद्धार्थ सोगानी ने कहा, ' मुद्रास्फीति से निपटने के उपायों के सख्ती की प्रक्रिया में दुनियाभर के वित्तीय बाजारों की तरह बिटकॉइन भी अपवाद नहीं है। मैं इसकी कीमत को अब 20,000 डॉलर और निचले स्तर पर 18,000 डॉलर पर समर्थन मिलने की संभावना देख रहा हूं, लेकिन कुल मिलाकर, क्रिप्ट बाजार मंदी के चक्र में है और एक या दो महीने तक यह समेकित या एकतरफा बना रहेगा।'

निवेशकों की सतर्कता बताने वाले पांच तकनीकी संकेतक

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से ब्याज दरों में बढ़ोतरी के फैसले से पहले बुधवार को निफ्टी लगातार छठे दिन लाल निशान में बंद हुआ। यह इंडेक्स पिछले छह कारोबारी सत्र में 4.8 फीसदी यानी 786 अंक टूटकर 15,692 पर आ गया है। बढ़ती महंगाई व बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी के बीच पिछले दो महीने में इंडेक्स में 13 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज हुई है। एक नोट में आईआईएफएल रिसर्च ने पांच संकेतकों को रेखांकित किया है जो बताता है कि निवेशकों के बीच काफी सतर्कता का रुख है। पांच संकेतक...

200 दिन का मूविंग एवरेज

बीएसई 500 में शामिल 80 फीसदी से ज्यादा शेयर अपने-अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहे हैं, जो बाजार की अवधारणा का अहम तकनीकी माप है। यह मई 2020 के बाद का निचला स्तर है जब 83 फीसदी शेयर अपने-अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहे थे। आईआईएफएल ऑल्टरनेटिव रिसर्च के उपाध्यक्ष श्रीराम वेलायुधन ने कहा, 200 दिन का मूविंग एवरेज पिछली बिकवाली मसलन 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट या 2013 के घटनाक्रम के दौरान बाजार का अहम संकेतक साबित हुआ है।

निफ्टी बनाम 200 डीएमए प्रीमियम/डिस्काउंट का स्प्रेड

एक अन्य भरोसेमंद संकेतक स्प्रेड अब 9 फीसदी है। सामान्य भाषा में निफ्टी अभी अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से 9 फीसदी नीचे है। कुछ मौकों पर गिरावट का दौर पलट गया था जब यह संकेतक 12 फीसदी से लेकर -15 फीसदी के दायरे में रहा था।

52 हफ्ते का उच्च-निम्न डीएमए बनाम एनएसई 500

52 हफ्ते का उच्च-निम्न बैरोमीटर बीएसई 500 में शामिल शेयरों के 52 हफ्ते के उच्चस्तर व निम्नस्तर को छूने वालों के बीच का अंतर 100 दिन का मूविंग एवरेज ग्राफ होता है। विगत में जब यह ग्राफ 40 या -30 को छू गया था तब बाजार में उछाल का अच्छा संकेतक था। अभी यह नकारात्मक क्षेत्र में चला गया है। वेलायुधन ने कहा, इस बैरोमीटर के और नीचे जाने की गुंजाइश है और यह सिर्फ न्यूट्रल जोन के महज पार निकला है।

चढ़ने-गिरने वालों के अनुपात का 600 डीएमए

यह अभी -200 से नीचे है और कई साल के निचले स्तर -300 की ओर जा रहा है। विगत में बाजार इसके 200 तक टूटने के बाद सुधरा है। वेलायुधन ने कहा, ऐसे में मेरा मानना है कि इसमें और गिरावट की गुंजाइश है।

एफपीआई की शॉर्टिंग

आईआईएफएल ऑल्टरनेटिव रिसर्च के मुताबिक, इंडेक्स फ्यूचर्स में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की शॉर्ट करने की दिलचस्पी अभी सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई है। इंडेक्स फ्यूचर्स को शॉर्ट करने में एफपीआई की हिस्सेदारी अभी करीब 89 फीसदी है। *बीएस*

मई में आईपीओ ने खींच ली एमएफ की नकदी

बीएस संवाददाता
मुंबई, 15 जून

सूचीबद्ध कंपनियों में म्युचुअल फंड निवेशकों के निवेश की क्षमता मई में बड़े आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के कारण प्रभावित हुई। एडलवाइस ऑल्टरनेटिव रिसर्च के विश्लेषण के मुताबिक, सरकारी स्वामित्व वाली एलआईसी और सॉफ्टबैंक समर्थित लॉजिस्टिक्स दिग्गज डेलिवरी ने मई में क्रमशः 4,065 करोड़ रुपये व 2,418 करोड़ रुपये का म्युचुअल फंड निवेश आकर्षित किया। म्युचुअल फंडों ने पिछले महीने कुल मिलाकर 29,400 करोड़ रुपये निवेशकिया जबकि विदेशी निवेशकों ने 42,900 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक अन्य शेयर थे, जहां म्युचुअल फंडों ने खासा निवेश किया। दूसरी ओर, कोटक महिंद्रा बैंक, सेल और यूपीएल से देसी फंडों ने निवेश निकासी की।

नॉमिनी का विकल्प : पूंजी सेबी ने बुधवार को कहा कि एक अगस्त से म्युचुअल फंड में निवेश करने वाले निवेशकों को 'नॉमिनी' का नाम देने या उससे बाहर निकलने का विकल्प मिलेगा। सेबी के परिपत्र के अनुसार, नियामक ने व्यक्ति नामित करने या उसे हटाने के लिये प्रारूप भी जारी किया। *भाषा*

प्राइवेट इक्विटी-वेंचर कैपिटल निवेश 5.3 अरब डॉलर

निवेश में सालाना 42 फीसदी बढ़त जबकि मासिक आधार पर 29 फीसदी की गिरावट दर्ज

बीएस संवाददाता
मुंबई, 15 जून

प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल कंपनियों की तरफ से मई में सालाना आधार पर निवेश में बढ़ोतरी जारी रही, हालांकि मासिक आधार पर उनके निवेश पर वैश्विक अनिश्चितता का दबाव स्पष्ट तौर पर देखने को मिला।

आईवीसीए-ईवाई की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि मई 2022 में पीई/वीसी निवेश 5.3 अरब डॉलर रहा, जो मई 2021 के मुकाबले 42 फीसदी ज्यादा है लेकिन अप्रैल 2022 के 7.5 अरब डॉलर के निवेश के मुकाबले 29 फीसदी कम है।

मई 2022 में 109 सौदे हुए, जो मई 2021 के 66 सौदों के मुकाबले 65 फीसदी ज्यादा है जबकि अप्रैल 2022 के 117 सौदों से 12 फीसदी कम है।

एक सकारात्मक प्रवृत्ति यह रही कि जब रकम जुटाने की बात आती है तो उसमें बढ़त का रुख नजर आया। मई 2022 में पांच फंडों के जरिए कुल मिलाकर 66.8 करोड़ डॉलर जुटाए गए जबकि मई 2021 में तीन फंडों के जरिये 15.4 करोड़ डॉलर जुटाए गए थे। मई 2022 में सबसे ज्यादा रकम जंगल वेंचर्स ने जुटाई, जिसने चौथे इंडिया डेडिकेटेड फंड के तहत 60 करोड़ डॉलर जुटाए।

ईवाई के पार्टनर व नैशनल लीडर (प्राइवेट इक्विटी सर्विसेज) विवेक सोनी ने कहा, अमेरिकी और भारतीय केंद्रीय बैंकों की तरफसे नकदी पर सख्ती के बावजूद पीई-वीसी पूंजी का प्रवाह भारत में जारी रहा और इस साल अब तक 28.8 अरब डॉलर का निवेश

हुआ, जो सालाना आधार पर 35 फीसदी ज्यादा है।

मई 2022 में रियल एस्टेट और इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में निवेश सबसे आगे रहा और 1.7 अरब डॉलर का निवेश हुआ, जो कई माह तक पिछड़ा रहा था क्योंकि पीई-वीसी ने उच्च बढ़त वाले क्षेत्रों मसलन ई-कॉमर्स व तकनीक में पूरे 2021 के दौरान पूंजी आवंटन पर जोर दिया था।

मई में सबसे बड़ा सौदा अदाणी नियंत्रित मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट में हुआ, जिसने अपोलो ग्लोबल से 75 करोड़ डॉलर का कर्ज जुटाया। इसके बाद बेन कैपिटल और आई कैम्ब्रिज ने लोढ़ा समूह के साथ बनाए संयुक्त उद्यम लोढ़ा लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म स्थापित करने पर 66.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेशका ऐलान किया। वित्तीय सेवा क्षेत्र में अब तक 5.3 अरब डॉलर का निवेश हुआ और यह क्षेत्र पीई-वीसी निवेशकों के लिए सबसे ऊपर रहा।

निचले स्तर पर निजी नियोजन

इस साल मई 2022 तक जुटाई गई कुल रकम सालाना आधार पर 23 फीसदी कम रही

सचिन मामबटा
मुंबई, 15 जून

निजी नियोजन के जरिए विभिन्न इकाइयों की तरफ से जुटाई गई रकम साल 2014 के बाद के निचले स्तर पर है। साल 2022 के पहले पांच महीने में इन इकाइयों ने 1.96 लाख करोड़ रुपये जुटाए और यह जानकारी प्राइम डेटाबेस से मिली। यह रकम पिछले साल की समान अवधि में जुटाई गई रकम के मुकाबले 23.4 फीसदी कम है क्योंकि पिछले साल 2.56 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। यह रकम साल 2014 के बाद का निचला स्तर है क्योंकि तब 1.17 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए थे। रकम की कम जरूरत और उच्च ब्याज दर ने रकम जुटाने की गतिविधियों में कमी लाई है।

मिरे एसेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स इंडिया के मुख्य निवेश अधिकारी (फिक्स्ड इनकम) महेंद्र कुमार जाजू ने कहा, कई कंपनियों के पास अतिरिक्त नकदी थी और उनकी जरूरतें सीमित थीं, जिसका मतलब यह हुआ कि मौजूदा माहौल में रकम जुटाने की कोई हड़बड़ी नहीं रही। पब्लिक सेक्टर की कंपनियां भी यहां अनुपस्थिर रहीं और कई ने सरकार से रकम मिलने के बीच कर्ज का पुनर्भुगतान किया। उन्होंने कहा, हर कोई डीलिवरेजिंग पर ध्यान केंद्रित किए रहा।

इस परिदृश्य में कोई बदलाव तभी होगा जब कंपनियां पूंजीगत खर्च पर दोबारा विचार करेंगी, चाहे उन्हें नई फैक्टरी लगानी हो या फिर उत्पादन क्षमता बढ़ानी हो या फिर कार्यशील पूंजी की जरूरत हो, जो रोजाना के परिचालन में इस्तेमाल में आती है।

प्राइम डेटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा, वैश्विक बढ़त के प्रतिकूल परिदृश्य और नए निवेश की सीमित दरकार की पृष्ठभूमि में कंपनियां नई उधारी पर कम आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, पूंजीगत खर्च की आवश्यकता बहुत ज्यादा नहीं है।

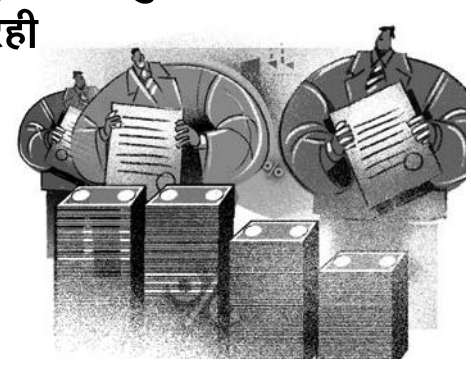

कोष उगाही में नरमी

- रकम की कम जरूरत और उच्च ब्याज दर ने रकम जुटाने की गतिविधियों में कमी की है
- निजी नियोजन तब होता है जब कोई इकाई चुनिंदा व सीमित लोगों से रकम जुटाती है

उन्होंने कहा, निवेशक भी उतारचढ़ाव भरे ब्याज दर के माहौल में नया निवेश नहीं कर रहे हैं। कई निवेशक स्पष्ट परिदृश्य उभरने तक इंतजार करना चाहेंगे।

निजी नियोजन तब होता है जब कोई इकाई चुनिंदा व सीमित लोगों से रकम जुटाती है और वह भी इसका सावर्जनिक विज्ञापन दिए बिना। कम लागत और तेज गति से रकम जुटाने का जरिया होने के कारण पूंजी जुटाने के लिए इसे तरजीह दी जाती है। आम धातु, सिविल इंजीनियरिंग, बिजली और गैस आदि क्षेत्र की कंपनियां इस जरिये का काफी इस्तेमाल करती हैं। यह जानकारी एक अध्ययन से मिली। इस अवधि में 952 इश्यू सामने आए। यह पहले के मुताबिक ही है। इश्यू का औसत आकार 2020 के पहले पांच महीने के 468 करोड़ रुपये के मुकाबले आधा घटकर 2022 की समान अवधि में 205.9 करोड़ रुपये रह गया।

अदाणी की फर्मों का मूल्यांकन बढ़ा

भाषा
मुंबई, 15 जून

शेयर बाजार में तेजी के साथ मूल्य के हिसाब से अदाणी समूह की कंपनियों को सर्वाधिक लाभ हुआ है। छह महीने यानी नवंबर से लेकर अप्रैल, 2022 के दौरान विविध कारोबार से जुड़े समूह का मूल्यांकन 88.1 फीसदी उछलकर 17.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसकी तुलना में दिग्गज उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्य 13.4 फीसदी बढ़कर 18.87 लाख करोड़ रुपये रहा। इसके साथ कंपनी बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया की 500 की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बनी हुई है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सूची में 12.97 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ तीसरे स्थान पर रही। हालांकि, उसका मूल्य इस दौरान 0.9 फीसदी घटा है। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा। रिपोर्ट के अनुसार, गौतम अदाणी की अगुआई वाली कंपनियों में अदाणी ग्रीन एनर्जी का मूल्यांकन सबसे तेजी से 139 फीसदी बढ़कर 4.50 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इसके साथ कंपनी छठे स्थान पर आ गयी जबकि छह महीने पहले 16वें स्थान पर थी। अदाणी विल्मर इस दौरान करीब 190 फीसदी बढ़कर 66,427 करोड़ रुपये, अदाणी पावर 157.8 फीसदी की वृद्धि के साथ 66,185 करोड़ रुपये पहुंच गयी। समूह की कुल नौ कंपनियों का मूल्यांकन छह महीने के दौरान (नवंबर 2021 से अप्रैल 2022) 88.1 फीसदी बढ़कर 17.6 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इनकी 500 शीर्ष कंपनियों में हिस्सेदारी 7.6 फीसदी है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'आलोच्य अवधि में अदाणी समूह की कंपनियों ने अपना मूल्य 88.1 फीसदी बढ़ाया है। जबकि 500 कंपनियों का मूल्य केवल 2 फीसदी बढ़ा है।'

हुरुन इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में शीर्ष 500 कंपनियों का मूल्य मामूली 2 फीसदी बढ़कर 232 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो 30 अक्टूबर, 2021 को 221 लाख करोड़ रुपये था। मामूली वृद्धि के बावजूद सूची में शामिल कंपनियों का प्रदर्शन बीएसई सेंसेक्स की 30 कंपनियों (चार प्रतिशत की गिरावट) और नैस्डेक में शामिल कंपनियों (17 प्रतिशत की गिरावट) से बेहतर है। हुरुन इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा, ' भारतीय कंपनियों ने उतार-चढ़ाव का बखूबी सामना किया और दुनिया की अपनी समकक्ष कंपनियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद को दर्शाता है।'

जिन कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट और रैंकिंग में कमी देखी गयी, उसमें बाबा रामदेव की अगुआई वाली पतंजलि आयुर्वेद शामिल है। कंपनी का मूल्य 17.9 फीसदी घटकर 23,000 करोड़ रुपये रहा। साथ ही यह रैंकिंग में फिसलकर 184वें स्थान पर आ गयी जबकि पहले 34वें पायदान पर थी। रिपोर्ट के अनुसार, मूल्य के हिसाब से 313.9 फीसदी की वृद्धि के साथ सर्वाधिक लाभ में वेदांत फैशन रही। इसके बाद अदाणी विल्मर (190 फीसदी) और बिलडेस्क (172.9 फीसदी) का स्थान रहा।

कमाई और नकदी बढ़ी, पर पूंजीगत खर्च नहीं बढ़ा

सालाना कॉरपोरेट आय वित्त वर्ष 2019 के 4.32 लाख करोड़ रुपये के कोविड-पूर्व स्तर से 66 प्रतिशत बढ़ी

कृष्ण कांत
मुंबई, 15 जून

वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2022 में कॉरपोरेट आय में शानदार तेजी के बावजूद पूंजीगत खर्च में सुधार नहीं आया है और निर्धारित परिसंपत्तियों में सूचीबद्ध कंपनियों का निवेश वित्त वर्ष 2022 में सालाना आधार पर महज 2.3 प्रतिशत बढ़ा, जो पिछले 6 वर्षों में धीमी रफ्तार है।

तुलनात्मक तौर पर, कंपनियों का संयुक्त शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2022 में सालाना आधार पर 63.5 प्रतिशत बढ़ा, जबकि शुद्ध बिक्री 31.1 प्रतिशत बढ़ी, जो एक दशक में सबसे तेज वृद्धि थी।

बिजनेस स्टैंडर्ड में नमूने में शामिल 955 गैर-वित्तीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में 7.18 लाख करोड़ रुपये का संयुक्त शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 2021 में 4.39 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2020 के 2.59 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले काफी अधिक है। कंपनियों की संयुक्त शुद्ध बिक्री जहां वित्त वर्ष 2021 में 66.43 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2020 में 69.9 लाख करोड़ रुपये थी, वहीं वित्त वर्ष में यह बढ़कर 87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। कुल मिलाकर, सालाना कॉरपोरेट आय वित्त वर्ष

खर्च में कमजोरी

- 955 गैर-वित्तीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में 7.18 लाख करोड़ रुपये का संयुक्त शुद्ध लाभ दर्ज किया
- कंपनियों की संयुक्त शुद्ध बिक्री वित्त वर्ष में बढ़कर 87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई
- 2022 के अंत में कंपनियों का नकदी एवं बैंक बैलेंस 13.4 प्रतिशत बढ़कर 7.54 लाख करोड़ रुपये हो गया
- शेयरधारकों को लाभांश भुगतान 18.8 प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख करोड़ रुपये रहा
- कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में अपने शेयरधारकों को शेयर पुनर्खरीद के जरिये 33,254 करोड़ रुपये लौटाए

2019 के 4.32 लाख करोड़ रुपये के कोविड-पूर्व स्तर से सालाना आधार पर 66 प्रतिशत बढ़ी। हालांकि समान अवधि में, भारतीय उद्योग जगत की निर्धारित परिसंपत्तियां वित्त वर्ष 2019 के अंत में करीब 41 लाख करोड़ रुपये से 22 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2022 के अंत में 49.8 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गईं।

ये आंकड़े संकेत देते हैं कि पूंजीगत खर्च के वित्त पोषण के बजाय कंपनियों ने पूंजी भंडार और शेयरधारकों के लिए ज्यादा लाभांश चुकाने के लिए अपनी आय और नकद प्रवाह में तेजी का इस्तेमाल किया। वित्त वर्ष 2022 के अंत में कंपनियां का नकदी एवं बैंक बैलेंस सालाना आधार पर 13.4 प्रतिशत बढ़कर 7.54 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि शेयरधारकों के लिए उनका लाभांश भुगतान पिछले वित्त वर्ष सालाना आधार पर 18.8 प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख करोड़ रुपये रहा। लाभांश में शेयर पुनर्खरीद के लिए नकदी खर्च शामिल है। नमूने में शामिल कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में अपने शेयरधारकों को शेयर पुनर्खरीद के जरिये 33,254 करोड़ रुपये लौटाए, जो वित्त वर्ष 2021 के 34,271 करोड़ रुपये से सालाना आधार पर 3 प्रतिशत कम है हालांकि कुल लाभांश भुगतान सालाना आधार पर 22.2 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2022 में 2.71 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 2.22 लाख करोड़ रुपये था।यह विश्लेषण बीएसई-500, बीसई मिडकैप और बीएसई स्मॉलकैप सूचकांकों में शामिल 955 कंपनियों के नमूने के सालाना लाभ-नुकसान और बैलेंस शीट पर आधारित है।

विश्लेषक इसके लिए पिछले वित्त वर्ष आय वृद्धि और पूंजीगत खर्च के बीच अंतर को जिम्मेदार करार देते हैं। जेएम फाइनैंशियल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य रणनीतिकार धनंजय सिन्हा का कहना है, 'वित्त वर्ष 2022 में कॉरपोरेट राजस्व और लाभ में ज्यादातर वृद्धि ऊंची कीमतों की मदद से हासिल हुई और इसे खनन, धातु और तेल एवं गैस कंपनियों जैसे जिंस उत्पादकों द्वारा दर्ज की गई तेजी से बढ़त मिली।'

बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय: 21, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001
सीआईएन:L65999WB2001GOI093759
फोन न.: 033-22225227
ईमेल: lahoti.a@balmerlawrie.com, वेबसाइट: www.blinv.com

सूचना

एतद्द्वारा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों का असूचीयन) विनियमन, 2021 (यथा संशोधित) के विनियमन 5 एवं 6 के अनुपालन के तहत कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड में कई वर्षों से कंपनी के इक्विटी शेयरों के लेनदेन नहीं होने की वजह से बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड (कंपनी) के निदेशक मंडल ने 30 मई, 2022 को आयोजित अपनी बैठक में अन्य विषयों के साथ कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड से कंपनी के इक्विटी शेयरों के स्वैच्छिक असूचीयन हेतु प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

चूंकि, कंपनी के इक्विटी शेयरों की **सूचीबद्धता** राष्ट्रव्यापी ट्रेडिंग टर्मिनल वाले **बम्बई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, पर जारी रहेगी।** कंपनी को कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड से स्वैच्छिक असूचीयन के कारण शेयरधारकों को निकासी का अवसर प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है।

कृते बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड
अभिषेक लाहोटी
कंपनी सचिव
ए25141

स्थानः कोलकाता
दिनांकः 15 जून, 2022

बीत गए क्रिप्टो निवेशकों के अमीर बनने के दिन!

राजेश भयानी
मुंबई, 15 जून

बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टो करेंसी की कीमतों में भारी गिरावट ने भारत में पहले से ही आसमान से जमीन पर आ चुके क्रिप्टो करेंसी बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। वैश्विक और घरेलू कीमतें पिछले साल नवंबर से लगातार नीचे आई हैं। नवंबर में बिटकॉइन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 68,000 डॉलर के आसपास पहुंच गई थीं, लेकिन हाल में प्रमुख क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की कीमत में भारी गिरावट देखी गई है।

बिटकॉइन की कीमत पिछले सप्ताह में 30,000 डॉलर से करीब 30 प्रतिशत गिरी है। पिछले एक महीने में इसमें 35 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है, जबकि पिछले दो और छह महीने में 48 प्रतिशत और 58 प्रतिशत की कमजोरी आई है। मौजूदा समय में बिटकॉइन 21,100 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है। अरोड़ा रिपोर्ट के अल्गो ट्रेडिंग सलाहकार और लेखक निगम अरोड़ा का कहना है, 'बाजारों में हमारा 30 साल का अनुभव हमें सिखाता है कि जब कोई चीज काफी नीचे गिर जाएगी तो बाजार उसे बाहर निकाल देगा। अब, मेरा मानना है कि तेजड़िये खरीदारी करेंगे और बिटकॉइन को ऊपर ले जाने के प्रयास में 20,000-21,000 डॉलर के दायरे में बनाए रखने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा, हमारे विश्लेषणों में कई मार्जिन कॉल हैं कि क्या बिटकॉइन 19,000 डॉलर से नीचे जाएगी। ये

क्रिप्टो में गिरावट

- मौजूदा समय में बिटकॉइन 21,100 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है
- बिटकॉइन की कीमत पिछले सप्ताह में 30,000 डॉलर से करीब 30 प्रतिशत गिरी है
- नवंबर में बिटकॉइन कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 68,000 डॉलर पर पहुंच गई थीं

मार्जिन कॉल सही साबित हुए हैं और अगला लक्षित दायरा 15,000-16,000 डॉलर है।'

अरोड़ा ने कहा कि दिलचस्प यह है कि करीब एक महीने पहले बिटकॉइन गिरकर 21,000 डॉलर पर आ सकती थी, जब क्रिप्ट 31,280 डॉलर पर थी। अरोड़ा की तरह अन्य विश्लेषकों का भी मानना है कि बिटकॉइन 20,000 का निचला स्तर दर्ज कर सकती है। उसके बाद, बाजार क्रिप्टकरेंसी के लिए एकतरफा होंगे, और जल्द अमीर बनने के दिन निवेशकों के लिए लद गए हैं।

वजीरएक्स के उपाध्यक्ष राजागोपाल मेनन ने कहा, 'वर्ष के शुरू से ही बाजार विभिन्न अनिश्चितताओं के कारण कमजोर बने हुए हैं। इन अनिश्चितताओं में रूस-यूक्रेन युद्ध, लगातार बढ़ रही मुद्रास्फीति, ब्याज दर वृद्धि, और चीन में लॉकडाउन की वजह से आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित समस्याएं मुख्य तौर पर शामिल हैं। सूक्ष्म स्तर पर कुछ अज्ञात घटनाक्रम का भी इस गिरावट में योगदान रहा है।'

रविवार को, प्रख्यात वैश्विक क्रिप्ट ऋणदाता सेल्सियस नेटवर्क ने विपरीत बाजार हालात का हवाला देते हुए सभी अदला-बदली, निकासी और खातों के बीच स्थानांतरण रोक दिए। अब कंपनी ने वित्तीय पुनर्गठन अटॉर्नी की नियुक्ति की है। एक अन्य घटनाक्रम में आज सुबह क्रिप्ट बाजार के एक बेहद प्रख्यात कारोबार एक बड़े क्रिप्ट हेज फंड के संबंध में 40 करोड़ डॉलर की दिवालिया जांच की खबर सामने आई।

क्रिप्ट रिसर्च एवं रेटिंग कंपनी क्रेबैको के संस्थापक एवं मुख्य कार्याधिकारी सिद्धार्थ सोगानी ने कहा, ' मुद्रास्फीति से निपटने के उपायों के सख्ती की प्रक्रिया में दुनियाभर के वित्तीय बाजारों की तरह बिटकॉइन भी अपवाद नहीं है। मैं इसकी कीमत को अब 20,000 डॉलर और निचले स्तर पर 18,000 डॉलर पर समर्थन मिलने की संभावना देख रहा हूं, लेकिन कुल मिलाकर, क्रिप्ट बाजार मंदी के चक्र में है और एक या दो महीने तक यह समेकित या एकतरफा बना रहेगा।'

निवेशकों की सतर्कता बताने वाले पांच तकनीकी संकेतक

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से ब्याज दरों में बढ़ोतरी के फैसले से पहले बुधवार को निफ्टी लगातार छठे दिन लाल निशान में बंद हुआ। यह इंडेक्स पिछले छह कारोबारी सत्र में 4.8 फीसदी यानी 786 अंक टूटकर 15,692 पर आ गया है। बढ़ती महंगाई व बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी के बीच पिछले दो महीने में इंडेक्स में 13 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज हुई है। एक नोट में आईआईएफएल रिसर्च ने पांच संकेतकों को रेखांकित किया है जो बताता है कि निवेशकों के बीच काफी सतर्कता का रुख है। पांच संकेतक...

200 दिन का मूविंग एवरेज

बीएसई 500 में शामिल 80 फीसदी से ज्यादा शेयर अपने-अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहे हैं, जो बाजार की अवधारणा का अहम तकनीकी माप है। यह मई 2020 के बाद का निचला स्तर है जब 83 फीसदी शेयर अपने-अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहे थे। आईआईएफएल ऑल्टरनेटिव रिसर्च के उपाध्यक्ष श्रीराम वेलायुधन ने कहा, 200 दिन का मूविंग एवरेज पिछली बिकवाली मसलन 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट या 2013 के घटनाक्रम के दौरान बाजार का अहम संकेतक साबित हुआ है।

निफ्टी बनाम 200 डीएमए प्रीमियम/डिस्काउंट का स्प्रेड

एक अन्य भरोसेमंद संकेतक स्प्रेड अब 9 फीसदी है। सामान्य भाषा में निफ्टी अभी अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से 9 फीसदी नीचे है। कुछ मौकों पर गिरावट का दौर पलट गया था जब यह संकेतक 12 फीसदी से लेकर -15 फीसदी के दायरे में रहा था।

52 हफ्ते का उच्च-निम्न डीएमए बनाम एनएसई 500

52 हफ्ते का उच्च-निम्न बैरोमीटर बीएसई 500 में शामिल शेयरों के 52 हफ्ते के उच्चस्तर व निम्नस्तर को छूने वालों के बीच का अंतर 100 दिन का मूविंग एवरेज ग्राफ होता है। विगत में जब यह ग्राफ 40 या -30 को छू गया था तब बाजार में उछाल का अच्छा संकेतक था। अभी यह नकारात्मक क्षेत्र में चला गया है। वेलायुधन ने कहा, इस बैरोमीटर के और नीचे जाने की गुंजाइश है और यह सिर्फ न्यूट्रल जोन के महज पार निकला है।

चढ़ने-गिरने वालों के अनुपात का 600 डीएमए

यह अभी -200 से नीचे है और कई साल के निचले स्तर -300 की ओर जा रहा है। विगत में बाजार इसके 200 तक टूटने के बाद सुधरा है। वेलायुधन ने कहा, ऐसे में मेरा मानना है कि इसमें और गिरावट की गुंजाइश है।

एफपीआई की शॉर्टिंग

आईआईएफएल ऑल्टरनेटिव रिसर्च के मुताबिक, इंडेक्स फ्यूचर्स में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की शॉर्ट करने की दिलचस्पी अभी सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई है। इंडेक्स फ्यूचर्स को शॉर्ट करने में एफपीआई की हिस्सेदारी अभी करीब 89 फीसदी है। *बीएस*

मई में आईपीओ ने खींच ली एमएफ की नकदी

बीएस संवाददाता
मुंबई, 15 जून

सूचीबद्ध कंपनियों में म्युचुअल फंड निवेशकों के निवेश की क्षमता मई में बड़े आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के कारण प्रभावित हुई। एडलवाइस ऑल्टरनेटिव रिसर्च के विश्लेषण के मुताबिक, सरकारी स्वामित्व वाली एलआईसी और सॉफ्टबैंक समर्थित लॉजिस्टिक्स दिग्गज डेलिवरी ने मई में क्रमशः 4,065 करोड़ रुपये व 2,418 करोड़ रुपये का म्युचुअल फंड निवेश आकर्षित किया। म्युचुअल फंडों ने पिछले महीने कुल मिलाकर 29,400 करोड़ रुपये निवेशकिया जबकि विदेशी निवेशकों ने 42,900 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक अन्य शेयर थे, जहां म्युचुअल फंडों ने खासा निवेश किया। दूसरी ओर, कोटक महिंद्रा बैंक, सेल और यूपीएल से देसी फंडों ने निवेश निकासी की।

नॉमिनी का विकल्प : पूंजी सेबी ने बुधवार को कहा कि एक अगस्त से म्युचुअल फंड में निवेश करने वाले निवेशकों को 'नॉमिनी' का नाम देने या उससे बाहर निकलने का विकल्प मिलेगा। सेबी के परिपत्र के अनुसार, नियामक ने व्यक्ति नामित करने या उसे हटाने के लिये प्रारूप भी जारी किया। *भाषा*

प्राइवेट इक्विटी-वेंचर कैपिटल निवेश 5.3 अरब डॉलर

निवेश में सालाना 42 फीसदी बढ़त जबकि मासिक आधार पर 29 फीसदी की गिरावट दर्ज

बीएस संवाददाता
मुंबई, 15 जून

प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल कंपनियों की तरफ से मई में सालाना आधार पर निवेश में बढ़ोतरी जारी रही, हालांकि मासिक आधार पर उनके निवेश पर वैश्विक अनिश्चितता का दबाव स्पष्ट तौर पर देखने को मिला।

आईवीसीए-ईवाई की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि मई 2022 में पीई/वीसी निवेश 5.3 अरब डॉलर रहा, जो मई 2021 के मुकाबले 42 फीसदी ज्यादा है लेकिन अप्रैल 2022 के 7.5 अरब डॉलर के निवेश के मुकाबले 29 फीसदी कम है।

मई 2022 में 109 सौदे हुए, जो मई 2021 के 66 सौदों के मुकाबले 65 फीसदी ज्यादा है जबकि अप्रैल 2022 के 117 सौदों से 12 फीसदी कम है।

एक सकारात्मक प्रवृत्ति यह रही कि जब रकम जुटाने की बात आती है तो उसमें बढ़त का रुख नजर आया। मई 2022 में पांच फंडों के जरिए कुल मिलाकर 66.8 करोड़ डॉलर जुटाए गए जबकि मई 2021 में तीन फंडों के जरिये 15.4 करोड़ डॉलर जुटाए गए थे। मई 2022 में सबसे ज्यादा रकम जंगल वेंचर्स ने जुटाई, जिसने चौथे इंडिया डेडिकेटेड फंड के तहत 60 करोड़ डॉलर जुटाए।

ईवाई के पार्टनर व नैशनल लीडर (प्राइवेट इक्विटी सर्विसेज) विवेक सोनी ने कहा, अमेरिकी और भारतीय केंद्रीय बैंकों की तरफसे नकदी पर सख्ती के बावजूद पीई-वीसी पूंजी का प्रवाह भारत में जारी रहा और इस साल अब तक 28.8 अरब डॉलर का निवेश

हुआ, जो सालाना आधार पर 35 फीसदी ज्यादा है।

मई 2022 में रियल एस्टेट और इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में निवेश सबसे आगे रहा और 1.7 अरब डॉलर का निवेश हुआ, जो कई माह तक पिछड़ा रहा था क्योंकि पीई-वीसी ने उच्च बढ़त वाले क्षेत्रों मसलन ई-कॉमर्स व तकनीक में पूरे 2021 के दौरान पूंजी आवंटन पर जोर दिया था।

मई में सबसे बड़ा सौदा अदाणी नियंत्रित मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट में हुआ, जिसने अपोलो ग्लोबल से 75 करोड़ डॉलर का कर्ज जुटाया। इसके बाद बेन कैपिटल और आई कैम्ब्रिज ने लोढ़ा समूह के साथ बनाए संयुक्त उद्यम लोढ़ा लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म स्थापित करने पर 66.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेशका ऐलान किया। वित्तीय सेवा क्षेत्र में अब तक 5.3 अरब डॉलर का निवेश हुआ और यह क्षेत्र पीई-वीसी निवेशकों के लिए सबसे ऊपर रहा।

निचले स्तर पर निजी नियोजन

इस साल मई 2022 तक जुटाई गई कुल रकम सालाना आधार पर 23 फीसदी कम रही

सचिन मामबटा
मुंबई, 15 जून

निजी नियोजन के जरिए विभिन्न इकाइयों की तरफ से जुटाई गई रकम साल 2014 के बाद के निचले स्तर पर है। साल 2022 के पहले पांच महीने में इन इकाइयों ने 1.96 लाख करोड़ रुपये जुटाए और यह जानकारी प्राइम डेटाबेस से मिली। यह रकम पिछले साल की समान अवधि में जुटाई गई रकम के मुकाबले 23.4 फीसदी कम है क्योंकि पिछले साल 2.56 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। यह रकम साल 2014 के बाद का निचला स्तर है क्योंकि तब 1.17 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए थे। रकम की कम जरूरत और उच्च ब्याज दर ने रकम जुटाने की गतिविधियों में कमी लाई है।

मिरे एसेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स इंडिया के मुख्य निवेश अधिकारी (फिक्स्ड इनकम) महेंद्र कुमार जाजू ने कहा, कई कंपनियों के पास अतिरिक्त नकदी थी और उनकी जरूरतें सीमित थीं, जिसका मतलब यह हुआ कि मौजूदा माहौल में रकम जुटाने की कोई हड़बड़ी नहीं रही। पब्लिक सेक्टर की कंपनियां भी यहां अनुपस्थिर रहीं और कई ने सरकार से रकम मिलने के बीच कर्ज का पुनर्भुगतान किया। उन्होंने कहा, हर कोई डीलिवरेजिंग पर ध्यान केंद्रित किए रहा।

इस परिदृश्य में कोई बदलाव तभी होगा जब कंपनियां पूंजीगत खर्च पर दोबारा विचार करेंगी, चाहे उन्हें नई फैक्टरी लगानी हो या फिर उत्पादन क्षमता बढ़ानी हो या फिर कार्यशील पूंजी की जरूरत हो, जो रोजाना के परिचालन में इस्तेमाल में आती है।

प्राइम डेटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा, वैश्विक बढ़त के प्रतिकूल परिदृश्य और नए निवेश की सीमित दरकार की पृष्ठभूमि में कंपनियां नई उधारी पर कम आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, पूंजीगत खर्च की आवश्यकता बहुत ज्यादा नहीं है।

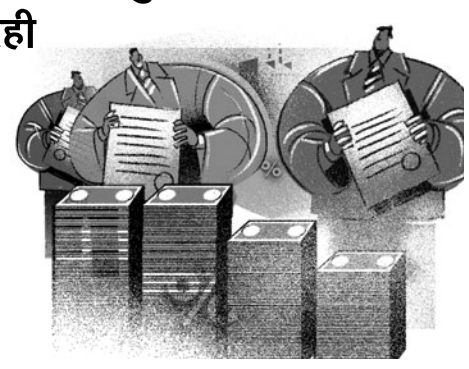

कोष उगाही में नरमी

- रकम की कम जरूरत और उच्च ब्याज दर ने रकम जुटाने की गतिविधियों में कमी की है
- निजी नियोजन तब होता है जब कोई इकाई चुनिंदा व सीमित लोगों से रकम जुटाती है

उन्होंने कहा, निवेशक भी उतारचढ़ाव भरे ब्याज दर के माहौल में नया निवेश नहीं कर रहे हैं। कई निवेशक स्पष्ट परिदृश्य उभरने तक इंतजार करना चाहेंगे।

निजी नियोजन तब होता है जब कोई इकाई चुनिंदा व सीमित लोगों से रकम जुटाती है और वह भी इसका सावर्जनिक विज्ञापन दिए बिना। कम लागत और तेज गति से रकम जुटाने का जरिया होने के कारण पूंजी जुटाने के लिए इसे तरजीह दी जाती है। आम धातु, सिविल इंजीनियरिंग, बिजली और गैस आदि क्षेत्र की कंपनियां इस जरिये का काफी इस्तेमाल करती हैं। यह जानकारी एक अध्ययन से मिली। इस अवधि में 952 इश्यू सामने आए। यह पहले के मुताबिक ही है। इश्यू का औसत आकार 2020 के पहले पांच महीने के 468 करोड़ रुपये के मुकाबले आधा घटकर 2022 की समान अवधि में 205.9 करोड़ रुपये रह गया।

अदाणी की फर्मों का मूल्यांकन बढ़ा

भाषा
मुंबई, 15 जून

शेयर बाजार में तेजी के साथ मूल्य के हिसाब से अदाणी समूह की कंपनियों को सर्वाधिक लाभ हुआ है। छह महीने यानी नवंबर से लेकर अप्रैल, 2022 के दौरान विविध कारोबार से जुड़े समूह का मूल्यांकन 88.1 फीसदी उछलकर 17.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसकी तुलना में दिग्गज उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्य 13.4 फीसदी बढ़कर 18.87 लाख करोड़ रुपये रहा। इसके साथ कंपनी बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया की 500 की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बनी हुई है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सूची में 12.97 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ तीसरे स्थान पर रही। हालांकि, उसका मूल्य इस दौरान 0.9 फीसदी घटा है। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा। रिपोर्ट के अनुसार, गौतम अदाणी की अगुआई वाली कंपनियों में अदाणी ग्रीन एनर्जी का मूल्यांकन सबसे तेजी से 139 फीसदी बढ़कर 4.50 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इसके साथ कंपनी छठे स्थान पर आ गयी जबकि छह महीने पहले 16वें स्थान पर थी। अदाणी विल्मर इस दौरान करीब 190 फीसदी बढ़कर 66,427 करोड़ रुपये, अदाणी पावर 157.8 फीसदी की वृद्धि के साथ 66,185 करोड़ रुपये पहुंच गयी। समूह की कुल नौ कंपनियों का मूल्यांकन छह महीने के दौरान (नवंबर 2021 से अप्रैल 2022) 88.1 फीसदी बढ़कर 17.6 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इनकी 500 शीर्ष कंपनियों में हिस्सेदारी 7.6 फीसदी है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'आलोच्य अवधि में अदाणी समूह की कंपनियों ने अपना मूल्य 88.1 फीसदी बढ़ाया है। जबकि 500 कंपनियों का मूल्य केवल 2 फीसदी बढ़ा है।'

हुरुन इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में शीर्ष 500 कंपनियों का मूल्य मामूली 2 फीसदी बढ़कर 232 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो 30 अक्टूबर, 2021 को 221 लाख करोड़ रुपये था। मामूली वृद्धि के बावजूद सूची में शामिल कंपनियों का प्रदर्शन बीएसई सेंसेक्स की 30 कंपनियों (चार प्रतिशत की गिरावट) और नैस्डेक में शामिल कंपनियों (17 प्रतिशत की गिरावट) से बेहतर है। हुरुन इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा, ' भारतीय कंपनियों ने उतार-चढ़ाव का बखूबी सामना किया और दुनिया की अपनी समकक्ष कंपनियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद को दर्शाता है।'

जिन कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट और रैंकिंग में कमी देखी गयी, उसमें बाबा रामदेव की अगुआई वाली पतंजलि आयुर्वेद शामिल है। कंपनी का मूल्य 17.9 फीसदी घटकर 23,000 करोड़ रुपये रहा। साथ ही यह रैंकिंग में फिसलकर 184वें स्थान पर आ गयी जबकि पहले 34वें पायदान पर थी। रिपोर्ट के अनुसार, मूल्य के हिसाब से 313.9 फीसदी की वृद्धि के साथ सर्वाधिक लाभ में वेदांत फैशन रही। इसके बाद अदाणी विल्मर (190 फीसदी) और बिलडेस्क (172.9 फीसदी) का स्थान रहा।

कमाई और नकदी बढ़ी, पर पूंजीगत खर्च नहीं बढ़ा

सालाना कॉरपोरेट आय वित्त वर्ष 2019 के 4.32 लाख करोड़ रुपये के कोविड-पूर्व स्तर से 66 प्रतिशत बढ़ी

कृष्ण कांत
मुंबई, 15 जून

वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2022 में कॉरपोरेट आय में शानदार तेजी के बावजूद पूंजीगत खर्च में सुधार नहीं आया है और निर्धारित परिसंपत्तियों में सूचीबद्ध कंपनियों का निवेश वित्त वर्ष 2022 में सालाना आधार पर महज 2.3 प्रतिशत बढ़ा, जो पिछले 6 वर्षों में धीमी रफ्तार है।

तुलनात्मक तौर पर, कंपनियों का संयुक्त शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2022 में सालाना आधार पर 63.5 प्रतिशत बढ़ा, जबकि शुद्ध बिक्री 31.1 प्रतिशत बढ़ी, जो एक दशक में सबसे तेज वृद्धि थी।

बिजनेस स्टैंडर्ड में नमूने में शामिल 955 गैर-वित्तीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में 7.18 लाख करोड़ रुपये का संयुक्त शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 2021 में 4.39 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2020 के 2.59 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले काफी अधिक है। कंपनियों की संयुक्त शुद्ध बिक्री जहां वित्त वर्ष 2021 में 66.43 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2020 में 69.9 लाख करोड़ रुपये थी, वहीं वित्त वर्ष में यह बढ़कर 87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। कुल मिलाकर, सालाना कॉरपोरेट आय वित्त वर्ष

खर्च में कमजोरी

- 955 गैर-वित्तीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में 7.18 लाख करोड़ रुपये का संयुक्त शुद्ध लाभ दर्ज किया
- कंपनियों की संयुक्त शुद्ध बिक्री वित्त वर्ष में बढ़कर 87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई
- 2022 के अंत में कंपनियों का नकदी एवं बैंक बैलेंस 13.4 प्रतिशत बढ़कर 7.54 लाख करोड़ रुपये हो गया
- शेयरधारकों को लाभांश भुगतान 18.8 प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख करोड़ रुपये रहा
- कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में अपने शेयरधारकों को शेयर पुनर्खरीद के जरिये 33,254 करोड़ रुपये लौटाए

2019 के 4.32 लाख करोड़ रुपये के कोविड-पूर्व स्तर से सालाना आधार पर 66 प्रतिशत बढ़ी। हालांकि समान अवधि में, भारतीय उद्योग जगत की निर्धारित परिसंपत्तियां वित्त वर्ष 2019 के अंत में करीब 41 लाख करोड़ रुपये से 22 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2022 के अंत में 49.8 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गईं।

ये आंकड़े संकेत देते हैं कि पूंजीगत खर्च के वित्त पोषण के बजाय कंपनियों ने पूंजी भंडार और शेयरधारकों के लिए ज्यादा लाभांश चुकाने के लिए अपनी आय और नकद प्रवाह में तेजी का इस्तेमाल किया। वित्त वर्ष 2022 के अंत में कंपनियां का नकदी एवं बैंक बैलेंस सालाना आधार पर 13.4 प्रतिशत बढ़कर 7.54 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि शेयरधारकों के लिए उनका लाभांश भुगतान पिछले वित्त वर्ष सालाना आधार पर 18.8 प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख करोड़ रुपये रहा। लाभांश में शेयर पुनर्खरीद के लिए नकदी खर्च शामिल है। नमूने में शामिल कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में अपने शेयरधारकों को शेयर पुनर्खरीद के जरिये 33,254 करोड़ रुपये लौटाए, जो वित्त वर्ष 2021 के 34,271 करोड़ रुपये से सालाना आधार पर 3 प्रतिशत कम है हालांकि कुल लाभांश भुगतान सालाना आधार पर 22.2 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2022 में 2.71 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 2.22 लाख करोड़ रुपये था।यह विश्लेषण बीएसई-500, बीसई मिडकैप और बीएसई स्मॉलकैप सूचकांकों में शामिल 955 कंपनियों के नमूने के सालाना लाभ-नुकसान और बैलेंस शीट पर आधारित है।

विश्लेषक इसके लिए पिछले वित्त वर्ष आय वृद्धि और पूंजीगत खर्च के बीच अंतर को जिम्मेदार करार देते हैं। जेएम फाइनैंशियल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य रणनीतिकार धनंजय सिन्हा का कहना है, 'वित्त वर्ष 2022 में कॉरपोरेट राजस्व और लाभ में ज्यादातर वृद्धि ऊंची कीमतों की मदद से हासिल हुई और इसे खनन, धातु और तेल एवं गैस कंपनियों जैसे जिंस उत्पादकों द्वारा दर्ज की गई तेजी से बढ़त मिली।'

बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय: 21, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001
सीआईएन:L65999WB2001GOI093759
फोन न.: 033-22225227
ईमेल: lahoti.a@balmerlawrie.com, वेबसाइट: www.blinv.com

सूचना

एतद्द्वारा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों का असूचीयन) विनियमन, 2021 (यथा संशोधित) के विनियमन 5 एवं 6 के अनुपालन के तहत कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड में कई वर्षों से कंपनी के इक्विटी शेयरों के लेनदेन नहीं होने की वजह से बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड (कंपनी) के निदेशक मंडल ने 30 मई, 2022 को आयोजित अपनी बैठक में अन्य विषयों के साथ कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड से कंपनी के इक्विटी शेयरों के स्वैच्छिक असूचीयन हेतु प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

चूंकि, कंपनी के इक्विटी शेयरों की **सूचीबद्धता** राष्ट्रव्यापी ट्रेडिंग टर्मिनल वाले **बम्बई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, पर जारी रहेगी।** कंपनी को कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड से स्वैच्छिक असूचीयन के कारण शेयरधारकों को निकासी का अवसर प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है।

कृते बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड
अभिषेक लाहोटी
कंपनी सचिव
स्थानः कोलकाता
दिनांकः 15 जून, 2022
ए25141

बीत गए क्रिप्टो निवेशकों के अमीर बनने के दिन!

राजेश भयानी
मुंबई, 15 जून

बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टो करेंसी की कीमतों में भारी गिरावट ने भारत में पहले से ही आसमान से जमीन पर आ चुके क्रिप्टो करेंसी बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। वैश्विक और घरेलू कीमतें पिछले साल नवंबर से लगातार नीचे आई हैं। नवंबर में बिटकॉइन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 68,000 डॉलर के आसपास पहुंच गई थीं, लेकिन हाल में प्रमुख क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की कीमत में भारी गिरावट देखी गई है।

बिटकॉइन की कीमत पिछले सप्ताह में 30,000 डॉलर से करीब 30 प्रतिशत गिरी है। पिछले एक महीने में इसमें 35 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है, जबकि पिछले दो और छह महीने में 48 प्रतिशत और 58 प्रतिशत की कमजोरी आई है। मौजूदा समय में बिटकॉइन 21,100 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है। अरोड़ा रिपोर्ट के अल्गो ट्रेडिंग सलाहकार और लेखक निगम अरोड़ा का कहना है, 'बाजारों में हमारा 30 साल का अनुभव हमें सिखाता है कि जब कोई चीज काफी नीचे गिर जाएगी तो बाजार उसे बाहर निकाल देगा। अब, मेरा मानना है कि तेजड़िये खरीदारी करेंगे और बिटकॉइन को ऊपर ले जाने के प्रयास में 20,000-21,000 डॉलर के दायरे में बनाए रखने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा, हमारे विश्लेषणों में कई मार्जिन कॉल हैं कि क्या बिटकॉइन 19,000 डॉलर से नीचे जाएगी। ये

क्रिप्टो में गिरावट

- मौजूदा समय में बिटकॉइन 21,100 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है
- बिटकॉइन की कीमत पिछले सप्ताह में 30,000 डॉलर से करीब 30 प्रतिशत गिरी है
- नवंबर में बिटकॉइन कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 68,000 डॉलर पर पहुंच गई थीं

मार्जिन कॉल सही साबित हुए हैं और अगला लक्षित दायरा 15,000-16,000 डॉलर है।'

अरोड़ा ने कहा कि दिलचस्प यह है कि करीब एक महीने पहले बिटकॉइन गिरकर 21,000 डॉलर पर आ सकती थी, जब क्रिप्ट 31,280 डॉलर पर थी। अरोड़ा की तरह अन्य विश्लेषकों का भी मानना है कि बिटकॉइन 20,000 का निचला स्तर दर्ज कर सकती है। उसके बाद, बाजार क्रिप्टकरेंसी के लिए एकतरफा होंगे, और जल्द अमीर बनने के दिन निवेशकों के लिए लद गए हैं।

वजीरएक्स के उपाध्यक्ष राजागोपाल मेनन ने कहा, 'वर्ष के शुरू से ही बाजार विभिन्न अनिश्चितताओं के कारण कमजोर बने हुए हैं। इन अनिश्चितताओं में रूस-यूक्रेन युद्ध, लगातार बढ़ रही मुद्रास्फीति, ब्याज दर वृद्धि, और चीन में लॉकडाउन की वजह से आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित समस्याएं मुख्य तौर पर शामिल हैं। सूक्ष्म स्तर पर कुछ अज्ञात घटनाक्रम का भी इस गिरावट में योगदान रहा है।'

रविवार को, प्रख्यात वैश्विक क्रिप्ट ऋणदाता सेल्सियस नेटवर्क ने विपरीत बाजार हालात का हवाला देते हुए सभी अदला-बदली, निकासी और खातों के बीच स्थानांतरण रोक दिए। अब कंपनी ने वित्तीय पुनर्गठन अटॉर्नी की नियुक्ति की है। एक अन्य घटनाक्रम में आज सुबह क्रिप्ट बाजार के एक बेहद प्रख्यात कारोबार एक बड़े क्रिप्ट हेज फंड के संबंध में 40 करोड़ डॉलर की दिवालिया जांच की खबर सामने आई।

क्रिप्ट रिसर्च एवं रेटिंग कंपनी क्रेबैको के संस्थापक एवं मुख्य कार्याधिकारी सिद्धार्थ सोगानी ने कहा, ' मुद्रास्फीति से निपटने के उपायों के सख्ती की प्रक्रिया में दुनियाभर के वित्तीय बाजारों की तरह बिटकॉइन भी अपवाद नहीं है। मैं इसकी कीमत को अब 20,000 डॉलर और निचले स्तर पर 18,000 डॉलर पर समर्थन मिलने की संभावना देख रहा हूं, लेकिन कुल मिलाकर, क्रिप्ट बाजार मंदी के चक्र में है और एक या दो महीने तक यह समेकित या एकतरफा बना रहेगा।'

निवेशकों की सतर्कता बताने वाले पांच तकनीकी संकेतक

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से ब्याज दरों में बढ़ोतरी के फैसले से पहले बुधवार को निफ्टी लगातार छठे दिन लाल निशान में बंद हुआ। यह इंडेक्स पिछले छह कारोबारी सत्र में 4.8 फीसदी यानी 786 अंक टूटकर 15,692 पर आ गया है। बढ़ती महंगाई व बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी के बीच पिछले दो महीने में इंडेक्स में 13 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज हुई है। एक नोट में आईआईएफएल रिसर्च ने पांच संकेतकों को रेखांकित किया है जो बताता है कि निवेशकों के बीच काफी सतर्कता का रुख है। पांच संकेतक...

200 दिन का मूविंग एवरेज

बीएसई 500 में शामिल 80 फीसदी से ज्यादा शेयर अपने-अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहे हैं, जो बाजार की अवधारणा का अहम तकनीकी माप है। यह मई 2020 के बाद का निचला स्तर है जब 83 फीसदी शेयर अपने-अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहे थे। आईआईएफएल ऑल्टरनेटिव रिसर्च के उपाध्यक्ष श्रीराम वेलायुधन ने कहा, 200 दिन का मूविंग एवरेज पिछली बिकवाली मसलन 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट या 2013 के घटनाक्रम के दौरान बाजार का अहम संकेतक साबित हुआ है।

निफ्टी बनाम 200 डीएमए प्रीमियम/डिस्काउंट का स्प्रेड

एक अन्य भरोसेमंद संकेतक स्प्रेड अब 9 फीसदी है। सामान्य भाषा में निफ्टी अभी अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से 9 फीसदी नीचे है। कुछ मौकों पर गिरावट का दौर पलट गया था जब यह संकेतक 12 फीसदी से लेकर -15 फीसदी के दायरे में रहा था।

52 हफ्ते का उच्च-निम्न डीएमए बनाम एनएसई 500

52 हफ्ते का उच्च-निम्न बैरोमीटर बीएसई 500 में शामिल शेयरों के 52 हफ्ते के उच्चस्तर व निम्नस्तर को छूने वालों के बीच का अंतर 100 दिन का मूविंग एवरेज ग्राफ होता है। विगत में जब यह ग्राफ 40 या -30 को छू गया था तब बाजार में उछाल का अच्छा संकेतक था। अभी यह नकारात्मक क्षेत्र में चला गया है। वेलायुधन ने कहा, इस बैरोमीटर के और नीचे जाने की गुंजाइश है और यह सिर्फ न्यूट्रल जोन के महज पार निकला है।

चढ़ने-गिरने वालों के अनुपात का 600 डीएमए

यह अभी -200 से नीचे है और कई साल के निचले स्तर -300 की ओर जा रहा है। विगत में बाजार इसके 200 तक टूटने के बाद सुधरा है। वेलायुधन ने कहा, ऐसे में मेरा मानना है कि इसमें और गिरावट की गुंजाइश है।

एफपीआई की शॉर्टिंग

आईआईएफएल ऑल्टरनेटिव रिसर्च के मुताबिक, इंडेक्स फ्यूचर्स में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की शॉर्ट करने की दिलचस्पी अभी सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई है। इंडेक्स फ्यूचर्स को शॉर्ट करने में एफपीआई की हिस्सेदारी अभी करीब 89 फीसदी है। *बीएस*

मई में आईपीओ ने खींच ली एमएफ की नकदी

बीएस संवाददाता
मुंबई, 15 जून

सूचीबद्ध कंपनियों में म्युचुअल फंड निवेशकों के निवेश की क्षमता मई में बड़े आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के कारण प्रभावित हुई। एडलवाइस ऑल्टरनेटिव रिसर्च के विश्लेषण के मुताबिक, सरकारी स्वामित्व वाली एलआईसी और सॉफ्टबैंक समर्थित लॉजिस्टिक्स दिग्गज डेलिवरी ने मई में क्रमशः 4,065 करोड़ रुपये व 2,418 करोड़ रुपये का म्युचुअल फंड निवेश आकर्षित किया। म्युचुअल फंडों ने पिछले महीने कुल मिलाकर 29,400 करोड़ रुपये निवेशकिया जबकि विदेशी निवेशकों ने 42,900 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक अन्य शेयर थे, जहां म्युचुअल फंडों ने खासा निवेश किया। दूसरी ओर, कोटक महिंद्रा बैंक, सेल और यूपीएल से देसी फंडों ने निवेश निकासी की।

नॉमिनी का विकल्प : पूंजी सेबी ने बुधवार को कहा कि एक अगस्त से म्युचुअल फंड में निवेश करने वाले निवेशकों को 'नॉमिनी' का नाम देने या उससे बाहर निकलने का विकल्प मिलेगा। सेबी के परिपत्र के अनुसार, नियामक ने व्यक्ति नामित करने या उसे हटाने के लिये प्रारूप भी जारी किया। *भाषा*

प्राइवेट इक्विटी-वेंचर कैपिटल निवेश 5.3 अरब डॉलर

निवेश में सालाना 42 फीसदी बढ़त जबकि मासिक आधार पर 29 फीसदी की गिरावट दर्ज

बीएस संवाददाता
मुंबई, 15 जून

प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल कंपनियों की तरफ से मई में सालाना आधार पर निवेश में बढ़ोतरी जारी रही, हालांकि मासिक आधार पर उनके निवेश पर वैश्विक अनिश्चितता का दबाव स्पष्ट तौर पर देखने को मिला।

आईवीसीए-ईवाई की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि मई 2022 में पीई/वीसी निवेश 5.3 अरब डॉलर रहा, जो मई 2021 के मुकाबले 42 फीसदी ज्यादा है लेकिन अप्रैल 2022 के 7.5 अरब डॉलर के निवेश के मुकाबले 29 फीसदी कम है।

मई 2022 में 109 सौदे हुए, जो मई 2021 के 66 सौदों के मुकाबले 65 फीसदी ज्यादा है जबकि अप्रैल 2022 के 117 सौदों से 12 फीसदी कम है।

एक सकारात्मक प्रवृत्ति यह रही कि जब रकम जुटाने की बात आती है तो उसमें बढ़त का रुख नजर आया। मई 2022 में पांच फंडों के जरिए कुल मिलाकर 66.8 करोड़ डॉलर जुटाए गए जबकि मई 2021 में तीन फंडों के जरिये 15.4 करोड़ डॉलर जुटाए गए थे। मई 2022 में सबसे ज्यादा रकम जंगल वेंचर्स ने जुटाई, जिसने चौथे इंडिया डेडिकेटेड फंड के तहत 60 करोड़ डॉलर जुटाए।

ईवाई के पार्टनर व नैशनल लीडर (प्राइवेट इक्विटी सर्विसेज) विवेक सोनी ने कहा, अमेरिकी और भारतीय केंद्रीय बैंकों की तरफसे नकदी पर सख्ती के बावजूद पीई-वीसी पूंजी का प्रवाह भारत में जारी रहा और इस साल अब तक 28.8 अरब डॉलर का निवेश

हुआ, जो सालाना आधार पर 35 फीसदी ज्यादा है।

मई 2022 में रियल एस्टेट और इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में निवेश सबसे आगे रहा और 1.7 अरब डॉलर का निवेश हुआ, जो कई माह तक पिछड़ा रहा था क्योंकि पीई-वीसी ने उच्च बढ़त वाले क्षेत्रों मसलन ई-कॉमर्स व तकनीक में पूरे 2021 के दौरान पूंजी आवंटन पर जोर दिया था।

मई में सबसे बड़ा सौदा अदाणी नियंत्रित मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट में हुआ, जिसने अपोलो ग्लोबल से 75 करोड़ डॉलर का कर्ज जुटाया। इसके बाद बेन कैपिटल और आई कैम्ब्रिज ने लोढ़ा समूह के साथ बनाए संयुक्त उद्यम लोढ़ा लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म स्थापित करने पर 66.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेशका ऐलान किया। वित्तीय सेवा क्षेत्र में अब तक 5.3 अरब डॉलर का निवेश हुआ और यह क्षेत्र पीई-वीसी निवेशकों के लिए सबसे ऊपर रहा।

निचले स्तर पर निजी नियोजन

इस साल मई 2022 तक जुटाई गई कुल रकम सालाना आधार पर 23 फीसदी कम रही

सचिन मामबटा
मुंबई, 15 जून

निजी नियोजन के जरिए विभिन्न इकाइयों की तरफ से जुटाई गई रकम साल 2014 के बाद के निचले स्तर पर है। साल 2022 के पहले पांच महीने में इन इकाइयों ने 1.96 लाख करोड़ रुपये जुटाए और यह जानकारी प्राइम डेटाबेस से मिली। यह रकम पिछले साल की समान अवधि में जुटाई गई रकम के मुकाबले 23.4 फीसदी कम है क्योंकि पिछले साल 2.56 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। यह रकम साल 2014 के बाद का निचला स्तर है क्योंकि तब 1.17 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए थे। रकम की कम जरूरत और उच्च ब्याज दर ने रकम जुटाने की गतिविधियों में कमी लाई है।

मिरे एसेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स इंडिया के मुख्य निवेश अधिकारी (फिक्स्ड इनकम) महेंद्र कुमार जाजू ने कहा, कई कंपनियों के पास अतिरिक्त नकदी थी और उनकी जरूरतें सीमित थीं, जिसका मतलब यह हुआ कि मौजूदा माहौल में रकम जुटाने की कोई हड़बड़ी नहीं रही। पब्लिक सेक्टर की कंपनियां भी यहां अनुपस्थिर रहीं और कई ने सरकार से रकम मिलने के बीच कर्ज का पुनर्भुगतान किया। उन्होंने कहा, हर कोई डीलिवरेजिंग पर ध्यान केंद्रित किए रहा।

इस परिदृश्य में कोई बदलाव तभी होगा जब कंपनियां पूंजीगत खर्च पर दोबारा विचार करेंगी, चाहे उन्हें नई फैक्टरी लगानी हो या फिर उत्पादन क्षमता बढ़ानी हो या फिर कार्यशील पूंजी की जरूरत हो, जो रोजाना के परिचालन में इस्तेमाल में आती है।

प्राइम डेटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा, वैश्विक बढ़त के प्रतिकूल परिदृश्य और नए निवेश की सीमित दरकार की पृष्ठभूमि में कंपनियां नई उधारी पर कम आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, पूंजीगत खर्च की आवश्यकता बहुत ज्यादा नहीं है।

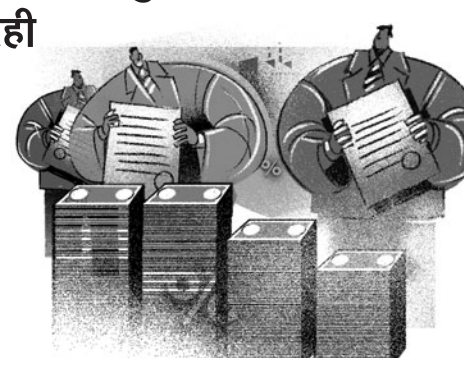

कोष उगाही में नरमी

- रकम की कम जरूरत और उच्च ब्याज दर ने रकम जुटाने की गतिविधियों में कमी की है
- निजी नियोजन तब होता है जब कोई इकाई चुनिंदा व सीमित लोगों से रकम जुटाती है

उन्होंने कहा, निवेशक भी उतारचढ़ाव भरे ब्याज दर के माहौल में नया निवेश नहीं कर रहे हैं। कई निवेशक स्पष्ट परिदृश्य उभरने तक इंतजार करना चाहेंगे।

निजी नियोजन तब होता है जब कोई इकाई चुनिंदा व सीमित लोगों से रकम जुटाती है और वह भी इसका सावर्जनिक विज्ञापन दिए बिना। कम लागत और तेज गति से रकम जुटाने का जरिया होने के कारण पूंजी जुटाने के लिए इसे तरजीह दी जाती है। आम धातु, सिविल इंजीनियरिंग, बिजली और गैस आदि क्षेत्र की कंपनियां इस जरिये का काफी इस्तेमाल करती हैं। यह जानकारी एक अध्ययन से मिली। इस अवधि में 952 इश्यू सामने आए। यह पहले के मुताबिक ही है। इश्यू का औसत आकार 2020 के पहले पांच महीने के 468 करोड़ रुपये के मुकाबले आधा घटकर 2022 की समान अवधि में 205.9 करोड़ रुपये रह गया।

अदाणी की फर्मों का मूल्यांकन बढ़ा

भाषा
मुंबई, 15 जून

शेयर बाजार में तेजी के साथ मूल्य के हिसाब से अदाणी समूह की कंपनियों को सर्वाधिक लाभ हुआ है। छह महीने यानी नवंबर से लेकर अप्रैल, 2022 के दौरान विविध कारोबार से जुड़े समूह का मूल्यांकन 88.1 फीसदी उछलकर 17.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसकी तुलना में दिग्गज उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्य 13.4 फीसदी बढ़कर 18.87 लाख करोड़ रुपये रहा। इसके साथ कंपनी बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया की 500 की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बनी हुई है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सूची में 12.97 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ तीसरे स्थान पर रही। हालांकि, उसका मूल्य इस दौरान 0.9 फीसदी घटा है। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा। रिपोर्ट के अनुसार, गौतम अदाणी की अगुआई वाली कंपनियों में अदाणी ग्रीन एनर्जी का मूल्यांकन सबसे तेजी से 139 फीसदी बढ़कर 4.50 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इसके साथ कंपनी छठे स्थान पर आ गयी जबकि छह महीने पहले 16वें स्थान पर थी। अदाणी विल्मर इस दौरान करीब 190 फीसदी बढ़कर 66,427 करोड़ रुपये, अदाणी पावर 157.8 फीसदी की वृद्धि के साथ 66,185 करोड़ रुपये पहुंच गयी। समूह की कुल नौ कंपनियों का मूल्यांकन छह महीने के दौरान (नवंबर 2021 से अप्रैल 2022) 88.1 फीसदी बढ़कर 17.6 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इनकी 500 शीर्ष कंपनियों में हिस्सेदारी 7.6 फीसदी है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'आलोच्य अवधि में अदाणी समूह की कंपनियों ने अपना मूल्य 88.1 फीसदी बढ़ाया है। जबकि 500 कंपनियों का मूल्य केवल 2 फीसदी बढ़ा है।'

हुरुन इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में शीर्ष 500 कंपनियों का मूल्य मामूली 2 फीसदी बढ़कर 232 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो 30 अक्टूबर, 2021 को 221 लाख करोड़ रुपये था। मामूली वृद्धि के बावजूद सूची में शामिल कंपनियों का प्रदर्शन बीएसई सेंसेक्स की 30 कंपनियों (चार प्रतिशत की गिरावट) और नैस्डेक में शामिल कंपनियों (17 प्रतिशत की गिरावट) से बेहतर है। हुरुन इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा, ' भारतीय कंपनियों ने उतार-चढ़ाव का बखूबी सामना किया और दुनिया की अपनी समकक्ष कंपनियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद को दर्शाता है।'

जिन कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट और रैंकिंग में कमी देखी गयी, उसमें बाबा रामदेव की अगुआई वाली पतंजलि आयुर्वेद शामिल है। कंपनी का मूल्य 17.9 फीसदी घटकर 23,000 करोड़ रुपये रहा। साथ ही यह रैंकिंग में फिसलकर 184वें स्थान पर आ गयी जबकि पहले 34वें पायदान पर थी। रिपोर्ट के अनुसार, मूल्य के हिसाब से 313.9 फीसदी की वृद्धि के साथ सर्वाधिक लाभ में वेदांत फैशन रही। इसके बाद अदाणी विल्मर (190 फीसदी) और बिलडेस्क (172.9 फीसदी) का स्थान रहा।

कमाई और नकदी बढ़ी, पर पूंजीगत खर्च नहीं बढ़ा

सालाना कॉरपोरेट आय वित्त वर्ष 2019 के 4.32 लाख करोड़ रुपये के कोविड-पूर्व स्तर से 66 प्रतिशत बढ़ी

कृष्ण कांत
मुंबई, 15 जून

वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2022 में कॉरपोरेट आय में शानदार तेजी के बावजूद पूंजीगत खर्च में सुधार नहीं आया है और निर्धारित परिसंपत्तियों में सूचीबद्ध कंपनियों का निवेश वित्त वर्ष 2022 में सालाना आधार पर महज 2.3 प्रतिशत बढ़ा, जो पिछले 6 वर्षों में धीमी रफ्तार है।

तुलनात्मक तौर पर, कंपनियों का संयुक्त शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2022 में सालाना आधार पर 63.5 प्रतिशत बढ़ा, जबकि शुद्ध बिक्री 31.1 प्रतिशत बढ़ी, जो एक दशक में सबसे तेज वृद्धि थी।

बिजनेस स्टैंडर्ड में नमूने में शामिल 955 गैर-वित्तीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में 7.18 लाख करोड़ रुपये का संयुक्त शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 2021 में 4.39 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2020 के 2.59 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले काफी अधिक है। कंपनियों की संयुक्त शुद्ध बिक्री जहां वित्त वर्ष 2021 में 66.43 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2020 में 69.9 लाख करोड़ रुपये थी, वहीं वित्त वर्ष में यह बढ़कर 87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। कुल मिलाकर, सालाना कॉरपोरेट आय वित्त वर्ष

खर्च में कमजोरी

- 955 गैर-वित्तीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में 7.18 लाख करोड़ रुपये का संयुक्त शुद्ध लाभ दर्ज किया
- कंपनियों की संयुक्त शुद्ध बिक्री वित्त वर्ष में बढ़कर 87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई
- 2022 के अंत में कंपनियों का नकदी एवं बैंक बैलेंस 13.4 प्रतिशत बढ़कर 7.54 लाख करोड़ रुपये हो गया
- शेयरधारकों को लाभांश भुगतान 18.8 प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख करोड़ रुपये रहा
- कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में अपने शेयरधारकों को शेयर पुनर्खरीद के जरिये 33,254 करोड़ रुपये लौटाए

2019 के 4.32 लाख करोड़ रुपये के कोविड-पूर्व स्तर से सालाना आधार पर 66 प्रतिशत बढ़ी। हालांकि समान अवधि में, भारतीय उद्योग जगत की निर्धारित परिसंपत्तियां वित्त वर्ष 2019 के अंत में करीब 41 लाख करोड़ रुपये से 22 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2022 के अंत में 49.8 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गईं।

ये आंकड़े संकेत देते हैं कि पूंजीगत खर्च के वित्त पोषण के बजाय कंपनियों ने पूंजी भंडार और शेयरधारकों के लिए ज्यादा लाभांश चुकाने के लिए अपनी आय और नकद प्रवाह में तेजी का इस्तेमाल किया। वित्त वर्ष 2022 के अंत में कंपनियां का नकदी एवं बैंक बैलेंस सालाना आधार पर 13.4 प्रतिशत बढ़कर 7.54 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि शेयरधारकों के लिए उनका लाभांश भुगतान पिछले वित्त वर्ष सालाना आधार पर 18.8 प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख करोड़ रुपये रहा। लाभांश में शेयर पुनर्खरीद के लिए नकदी खर्च शामिल है। नमूने में शामिल कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में अपने शेयरधारकों को शेयर पुनर्खरीद के जरिये 33,254 करोड़ रुपये लौटाए, जो वित्त वर्ष 2021 के 34,271 करोड़ रुपये से सालाना आधार पर 3 प्रतिशत कम है हालांकि कुल लाभांश भुगतान सालाना आधार पर 22.2 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2022 में 2.71 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 2.22 लाख करोड़ रुपये था।यह विश्लेषण बीएसई-500, बीसई मिडकैप और बीएसई स्मॉलकैप सूचकांकों में शामिल 955 कंपनियों के नमूने के सालाना लाभ-नुकसान और बैलेंस शीट पर आधारित है।

विश्लेषक इसके लिए पिछले वित्त वर्ष आय वृद्धि और पूंजीगत खर्च के बीच अंतर को जिम्मेदार करार देते हैं। जेएम फाइनैंशियल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य रणनीतिकार धनंजय सिन्हा का कहना है, 'वित्त वर्ष 2022 में कॉरपोरेट राजस्व और लाभ में ज्यादातर वृद्धि ऊंची कीमतों की मदद से हासिल हुई और इसे खनन, धातु और तेल एवं गैस कंपनियों जैसे जिंस उत्पादकों द्वारा दर्ज की गई तेजी से बढ़त मिली।'

बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय: 21, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001
सीआईएन:L65999WB2001GOI093759
फोन नं.: 033-22225227
ईमेल: lahoti.a@balmerlawrie.com, वेबसाइट: www.blinv.com

सूचना

एतद्द्वारा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों का असूचीयन) विनियमन, 2021 (यथा संशोधित) के विनियमन 5 एवं 6 के अनुपालन के तहत कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड में कई वर्षों से कंपनी के इक्विटी शेयरों के लेनदेन नहीं होने की वजह से बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड (कंपनी) के निदेशक मंडल ने 30 मई, 2022 को आयोजित अपनी बैठक में अन्य विषयों के साथ कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड से कंपनी के इक्विटी शेयरों के स्वैच्छिक असूचीयन हेतु प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

चूंकि, कंपनी के इक्विटी शेयरों की **सूचीबद्धता** राष्ट्रव्यापी ट्रेडिंग टर्मिनल वाले **बम्बई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, पर जारी रहेगी।** कंपनी को कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड से स्वैच्छिक असूचीयन के कारण शेयरधारकों को निकासी का अवसर प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है।

कृते बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड
अभिषेक लाहोटी
कंपनी सचिव
ए25141

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 15 जून, 2022

बीत गए क्रिप्टो निवेशकों के अमीर बनने के दिन!

राजेश भयानी
मुंबई, 15 जून

बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टो करेंसी की कीमतों में भारी गिरावट ने भारत में पहले से ही आसमान से जमीन पर आ चुके क्रिप्टो करेंसी बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। वैश्विक और घरेलू कीमतें पिछले साल नवंबर से लगातार नीचे आई हैं। नवंबर में बिटकॉइन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 68,000 डॉलर के आसपास पहुंच गई थीं, लेकिन हाल में प्रमुख क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की कीमत में भारी गिरावट देखी गई है।

बिटकॉइन की कीमत पिछले सप्ताह में 30,000 डॉलर से करीब 30 प्रतिशत गिरी है। पिछले एक महीने में इसमें 35 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है, जबकि पिछले दो और छह महीने में 48 प्रतिशत और 58 प्रतिशत की कमजोरी आई है। मौजूदा समय में बिटकॉइन 21,100 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है। अरोड़ा रिपोर्ट के अल्गो ट्रेडिंग सलाहकार और लेखक निगम अरोड़ा का कहना है, 'बाजारों में हमारा 30 साल का अनुभव हमें सिखाता है कि जब कोई चीज काफी नीचे गिर जाएगी तो बाजार उसे बाहर निकाल देगा। अब, मेरा मानना है कि तेजड़िये खरीदारी करेंगे और बिटकॉइन को ऊपर ले जाने के प्रयास में 20,000-21,000 डॉलर के दायरे में बनाए रखने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा, हमारे विश्लेषणों में कई मार्जिन कॉल हैं कि क्या बिटकॉइन 19,000 डॉलर से नीचे जाएगी। ये

क्रिप्टो में गिरावट

- मौजूदा समय में बिटकॉइन 21,100 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है
- बिटकॉइन की कीमत पिछले सप्ताह में 30,000 डॉलर से करीब 30 प्रतिशत गिरी है
- नवंबर में बिटकॉइन कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 68,000 डॉलर पर पहुंच गई थीं

मार्जिन कॉल सही साबित हुए हैं और अगला लक्षित दायरा 15,000-16,000 डॉलर है।'

अरोड़ा ने कहा कि दिलचस्प यह है कि करीब एक महीने पहले बिटकॉइन गिरकर 21,000 डॉलर पर आ सकती थी, जब क्रिप्ट 31,280 डॉलर पर थी। अरोड़ा की तरह अन्य विश्लेषकों का भी मानना है कि बिटकॉइन 20,000 का निचला स्तर दर्ज कर सकती है। उसके बाद, बाजार क्रिप्टकरेंसी के लिए एकतरफा होंगे, और जल्द अमीर बनने के दिन निवेशकों के लिए लद गए हैं।

वजीरएक्स के उपाध्यक्ष राजागोपाल मेनन ने कहा, 'वर्ष के शुरू से ही बाजार विभिन्न अनिश्चितताओं के कारण कमजोर बने हुए हैं। इन अनिश्चितताओं में रूस-यूक्रेन युद्ध, लगातार बढ़ रही मुद्रास्फीति, ब्याज दर वृद्धि, और चीन में लॉकडाउन की वजह से आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित समस्याएं मुख्य तौर पर शामिल हैं। सूक्ष्म स्तर पर कुछ अज्ञात घटनाक्रम का भी इस गिरावट में योगदान रहा है।'

रविवार को, प्रख्यात वैश्विक क्रिप्ट ऋणदाता सेल्सियस नेटवर्क ने विपरीत बाजार हालात का हवाला देते हुए सभी अदला-बदली, निकासी और खातों के बीच स्थानांतरण रोक दिए। अब कंपनी ने वित्तीय पुनर्गठन अटॉर्नी की नियुक्ति की है। एक अन्य घटनाक्रम में आज सुबह क्रिप्ट बाजार के एक बेहद प्रख्यात कारोबार एक बड़े क्रिप्ट हेज फंड के संबंध में 40 करोड़ डॉलर की दिवालिया जांच की खबर सामने आई।

क्रिप्ट रिसर्च एवं रेटिंग कंपनी क्रेबैको के संस्थापक एवं मुख्य कार्याधिकारी सिद्धार्थ सोगानी ने कहा, ' मुद्रास्फीति से निपटने के उपायों के सख्ती की प्रक्रिया में दुनियाभर के वित्तीय बाजारों की तरह बिटकॉइन भी अपवाद नहीं है। मैं इसकी कीमत को अब 20,000 डॉलर और निचले स्तर पर 18,000 डॉलर पर समर्थन मिलने की संभावना देख रहा हूं, लेकिन कुल मिलाकर, क्रिप्ट बाजार मंदी के चक्र में है और एक या दो महीने तक यह समेकित या एकतरफा बना रहेगा।'

निवेशकों की सतर्कता बताने वाले पांच तकनीकी संकेतक

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से ब्याज दरों में बढ़ोतरी के फैसले से पहले बुधवार को निफ्टी लगातार छठे दिन लाल निशान में बंद हुआ। यह इंडेक्स पिछले छह कारोबारी सत्र में 4.8 फीसदी यानी 786 अंक टूटकर 15,692 पर आ गया है। बढ़ती महंगाई व बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी के बीच पिछले दो महीने में इंडेक्स में 13 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज हुई है। एक नोट में आईआईएफएल रिसर्च ने पांच संकेतकों को रेखांकित किया है जो बताता है कि निवेशकों के बीच काफी सतर्कता का रुख है। पांच संकेतक...

200 दिन का मूविंग एवरेज

बीएसई 500 में शामिल 80 फीसदी से ज्यादा शेयर अपने-अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहे हैं, जो बाजार की अवधारणा का अहम तकनीकी माप है। यह मई 2020 के बाद का निचला स्तर है जब 83 फीसदी शेयर अपने-अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहे थे। आईआईएफएल ऑल्टरनेटिव रिसर्च के उपाध्यक्ष श्रीराम वेलायुधन ने कहा, 200 दिन का मूविंग एवरेज पिछली बिकवाली मसलन 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट या 2013 के घटनाक्रम के दौरान बाजार का अहम संकेतक साबित हुआ है।

निफ्टी बनाम 200 डीएमए प्रीमियम/डिस्काउंट का स्प्रेड

एक अन्य भरोसेमंद संकेतक स्प्रेड अब 9 फीसदी है। सामान्य भाषा में निफ्टी अभी अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से 9 फीसदी नीचे है। कुछ मौकों पर गिरावट का दौर पलट गया था जब यह संकेतक 12 फीसदी से लेकर -15 फीसदी के दायरे में रहा था।

52 हफ्ते का उच्च-निम्न डीएमए बनाम एनएसई 500

52 हफ्ते का उच्च-निम्न बैरोमीटर बीएसई 500 में शामिल शेयरों के 52 हफ्ते के उच्चस्तर व निम्नस्तर को छूने वालों के बीच का अंतर 100 दिन का मूविंग एवरेज ग्राफ होता है। विगत में जब यह ग्राफ 40 या -30 को छू गया था तब बाजार में उछाल का अच्छा संकेतक था। अभी यह नकारात्मक क्षेत्र में चला गया है। वेलायुधन ने कहा, इस बैरोमीटर के और नीचे जाने की गुंजाइश है और यह सिर्फ न्यूट्रल जोन के महज पार निकला है।

चढ़ने-गिरने वालों के अनुपात का 600 डीएमए

यह अभी -200 से नीचे है और कई साल के निचले स्तर -300 की ओर जा रहा है। विगत में बाजार इसके 200 तक टूटने के बाद सुधरा है। वेलायुधन ने कहा, ऐसे में मेरा मानना है कि इसमें और गिरावट की गुंजाइश है।

एफपीआई की शॉर्टिंग

आईआईएफएल ऑल्टरनेटिव रिसर्च के मुताबिक, इंडेक्स फ्यूचर्स में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की शॉर्ट करने की दिलचस्पी अभी सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई है। इंडेक्स फ्यूचर्स को शॉर्ट करने में एफपीआई की हिस्सेदारी अभी करीब 89 फीसदी है। *बीएस*

मई में आईपीओ ने खींच ली एमएफ की नकदी

बीएस संवाददाता
मुंबई, 15 जून

सूचीबद्ध कंपनियों में म्युचुअल फंड निवेशकों के निवेश की क्षमता मई में बड़े आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के कारण प्रभावित हुई। एडलवाइस ऑल्टरनेटिव रिसर्च के विश्लेषण के मुताबिक, सरकारी स्वामित्व वाली एलआईसी और सॉफ्टबैंक समर्थित लॉजिस्टिक्स दिग्गज डेलिवरी ने मई में क्रमशः 4,065 करोड़ रुपये व 2,418 करोड़ रुपये का म्युचुअल फंड निवेश आकर्षित किया। म्युचुअल फंडों ने पिछले महीने कुल मिलाकर 29,400 करोड़ रुपये निवेशकिया जबकि विदेशी निवेशकों ने 42,900 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक अन्य शेयर थे, जहां म्युचुअल फंडों ने खासा निवेश किया। दूसरी ओर, कोटक महिंद्रा बैंक, सेल और यूपीएल से देसी फंडों ने निवेश निकासी की।

नॉमिनी का विकल्प : पूंजी सेबी ने बुधवार को कहा कि एक अगस्त से म्युचुअल फंड में निवेश करने वाले निवेशकों को 'नॉमिनी' का नाम देने या उससे बाहर निकलने का विकल्प मिलेगा। सेबी के परिपत्र के अनुसार, नियामक ने व्यक्ति नामित करने या उसे हटाने के लिये प्रारूप भी जारी किया। *भाषा*

प्राइवेट इक्विटी-वेंचर कैपिटल निवेश 5.3 अरब डॉलर

निवेश में सालाना 42 फीसदी बढ़त जबकि मासिक आधार पर 29 फीसदी की गिरावट दर्ज

बीएस संवाददाता
मुंबई, 15 जून

प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल कंपनियों की तरफ से मई में सालाना आधार पर निवेश में बढ़ोतरी जारी रही, हालांकि मासिक आधार पर उनके निवेश पर वैश्विक अनिश्चितता का दबाव स्पष्ट तौर पर देखने को मिला।

आईवीसीए-ईवाई की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि मई 2022 में पीई/वीसी निवेश 5.3 अरब डॉलर रहा, जो मई 2021 के मुकाबले 42 फीसदी ज्यादा है लेकिन अप्रैल 2022 के 7.5 अरब डॉलर के निवेश के मुकाबले 29 फीसदी कम है।

मई 2022 में 109 सौदे हुए, जो मई 2021 के 66 सौदों के मुकाबले 65 फीसदी ज्यादा है जबकि अप्रैल 2022 के 117 सौदों से 12 फीसदी कम है।

एक सकारात्मक प्रवृत्ति यह रही कि जब रकम जुटाने की बात आती है तो उसमें बढ़त का रुख नजर आया। मई 2022 में पांच फंडों के जरिए कुल मिलाकर 66.8 करोड़ डॉलर जुटाए गए जबकि मई 2021 में तीन फंडों के जरिये 15.4 करोड़ डॉलर जुटाए गए थे। मई 2022 में सबसे ज्यादा रकम जंगल वेंचर्स ने जुटाई, जिसने चौथे इंडिया डेडिकेटेड फंड के तहत 60 करोड़ डॉलर जुटाए।

ईवाई के पार्टनर व नैशनल लीडर (प्राइवेट इक्विटी सर्विसेज) विवेक सोनी ने कहा, अमेरिकी और भारतीय केंद्रीय बैंकों की तरफसे नकदी पर सख्ती के बावजूद पीई-वीसी पूंजी का प्रवाह भारत में जारी रहा और इस साल अब तक 28.8 अरब डॉलर का निवेश

हुआ, जो सालाना आधार पर 35 फीसदी ज्यादा है।

मई 2022 में रियल एस्टेट और इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में निवेश सबसे आगे रहा और 1.7 अरब डॉलर का निवेश हुआ, जो कई माह तक पिछड़ा रहा था क्योंकि पीई-वीसी ने उच्च बढ़त वाले क्षेत्रों मसलन ई-कॉमर्स व तकनीक में पूरे 2021 के दौरान पूंजी आवंटन पर जोर दिया था।

मई में सबसे बड़ा सौदा अदाणी नियंत्रित मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट में हुआ, जिसने अपोलो ग्लोबल से 75 करोड़ डॉलर का कर्ज जुटाया। इसके बाद बेन कैपिटल और आई कैम्ब्रिज ने लोढ़ा समूह के साथ बनाए संयुक्त उद्यम लोढ़ा लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म स्थापित करने पर 66.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेशका ऐलान किया। वित्तीय सेवा क्षेत्र में अब तक 5.3 अरब डॉलर का निवेश हुआ और यह क्षेत्र पीई-वीसी निवेशकों के लिए सबसे ऊपर रहा।

निचले स्तर पर निजी नियोजन

इस साल मई 2022 तक जुटाई गई कुल रकम सालाना आधार पर 23 फीसदी कम रही

सचिन मामबटा
मुंबई, 15 जून

निजी नियोजन के जरिए विभिन्न इकाइयों की तरफ से जुटाई गई रकम साल 2014 के बाद के निचले स्तर पर है। साल 2022 के पहले पांच महीने में इन इकाइयों ने 1.96 लाख करोड़ रुपये जुटाए और यह जानकारी प्राइम डेटाबेस से मिली। यह रकम पिछले साल की समान अवधि में जुटाई गई रकम के मुकाबले 23.4 फीसदी कम है क्योंकि पिछले साल 2.56 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। यह रकम साल 2014 के बाद का निचला स्तर है क्योंकि तब 1.17 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए थे। रकम की कम जरूरत और उच्च ब्याज दर ने रकम जुटाने की गतिविधियों में कमी लाई है।

मिरे एसेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स इंडिया के मुख्य निवेश अधिकारी (फिक्स्ड इनकम) महेंद्र कुमार जाजू ने कहा, कई कंपनियों के पास अतिरिक्त नकदी थी और उनकी जरूरतें सीमित थीं, जिसका मतलब यह हुआ कि मौजूदा माहौल में रकम जुटाने की कोई हड़बड़ी नहीं रही। पब्लिक सेक्टर की कंपनियां भी यहां अनुपस्थिर रहीं और कई ने सरकार से रकम मिलने के बीच कर्ज का पुनर्भुगतान किया। उन्होंने कहा, हर कोई डीलिवरेजिंग पर ध्यान केंद्रित किए रहा।

इस परिदृश्य में कोई बदलाव तभी होगा जब कंपनियां पूंजीगत खर्च पर दोबारा विचार करेंगी, चाहे उन्हें नई फैक्टरी लगानी हो या फिर उत्पादन क्षमता बढ़ानी हो या फिर कार्यशील पूंजी की जरूरत हो, जो रोजाना के परिचालन में इस्तेमाल में आती है।

प्राइम डेटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा, वैश्विक बढ़त के प्रतिकूल परिदृश्य और नए निवेश की सीमित दरकार की पृष्ठभूमि में कंपनियां नई उधारी पर कम आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, पूंजीगत खर्च की आवश्यकता बहुत ज्यादा नहीं है।

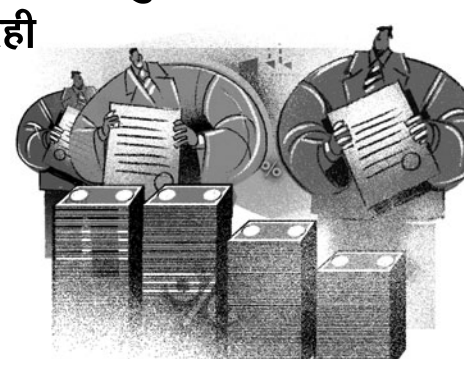

कोष उगाही में नरमी

- रकम की कम जरूरत और उच्च ब्याज दर ने रकम जुटाने की गतिविधियों में कमी की है
- निजी नियोजन तब होता है जब कोई इकाई चुनिंदा व सीमित लोगों से रकम जुटाती है

उन्होंने कहा, निवेशक भी उतारचढ़ाव भरे ब्याज दर के माहौल में नया निवेश नहीं कर रहे हैं। कई निवेशक स्पष्ट परिदृश्य उभरने तक इंतजार करना चाहेंगे।

निजी नियोजन तब होता है जब कोई इकाई चुनिंदा व सीमित लोगों से रकम जुटाती है और वह भी इसका सावर्जनिक विज्ञापन दिए बिना। कम लागत और तेज गति से रकम जुटाने का जरिया होने के कारण पूंजी जुटाने के लिए इसे तरजीह दी जाती है। आम धातु, सिविल इंजीनियरिंग, बिजली और गैस आदि क्षेत्र की कंपनियां इस जरिये का काफी इस्तेमाल करती हैं। यह जानकारी एक अध्ययन से मिली। इस अवधि में 952 इश्यू सामने आए। यह पहले के मुताबिक ही है। इश्यू का औसत आकार 2020 के पहले पांच महीने के 468 करोड़ रुपये के मुकाबले आधा घटकर 2022 की समान अवधि में 205.9 करोड़ रुपये रह गया।

अदाणी की फर्मों का मूल्यांकन बढ़ा

भाषा
मुंबई, 15 जून

शेयर बाजार में तेजी के साथ मूल्य के हिसाब से अदाणी समूह की कंपनियों को सर्वाधिक लाभ हुआ है। छह महीने यानी नवंबर से लेकर अप्रैल, 2022 के दौरान विविध कारोबार से जुड़े समूह का मूल्यांकन 88.1 फीसदी उछलकर 17.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसकी तुलना में दिग्गज उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्य 13.4 फीसदी बढ़कर 18.87 लाख करोड़ रुपये रहा। इसके साथ कंपनी बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया की 500 की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बनी हुई है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सूची में 12.97 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ तीसरे स्थान पर रही। हालांकि, उसका मूल्य इस दौरान 0.9 फीसदी घटा है। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा। रिपोर्ट के अनुसार, गौतम अदाणी की अगुआई वाली कंपनियों में अदाणी ग्रीन एनर्जी का मूल्यांकन सबसे तेजी से 139 फीसदी बढ़कर 4.50 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इसके साथ कंपनी छठे स्थान पर आ गयी जबकि छह महीने पहले 16वें स्थान पर थी। अदाणी विल्मर इस दौरान करीब 190 फीसदी बढ़कर 66,427 करोड़ रुपये, अदाणी पावर 157.8 फीसदी की वृद्धि के साथ 66,185 करोड़ रुपये पहुंच गयी। समूह की कुल नौ कंपनियों का मूल्यांकन छह महीने के दौरान (नवंबर 2021 से अप्रैल 2022) 88.1 फीसदी बढ़कर 17.6 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इनकी 500 शीर्ष कंपनियों में हिस्सेदारी 7.6 फीसदी है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'आलोच्य अवधि में अदाणी समूह की कंपनियों ने अपना मूल्य 88.1 फीसदी बढ़ाया है। जबकि 500 कंपनियों का मूल्य केवल 2 फीसदी बढ़ा है।'

हुरुन इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में शीर्ष 500 कंपनियों का मूल्य मामूली 2 फीसदी बढ़कर 232 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो 30 अक्टूबर, 2021 को 221 लाख करोड़ रुपये था। मामूली वृद्धि के बावजूद सूची में शामिल कंपनियों का प्रदर्शन बीएसई सेंसेक्स की 30 कंपनियों (चार प्रतिशत की गिरावट) और नैस्डेक में शामिल कंपनियों (17 प्रतिशत की गिरावट) से बेहतर है। हुरुन इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा, ' भारतीय कंपनियों ने उतार-चढ़ाव का बखूबी सामना किया और दुनिया की अपनी समकक्ष कंपनियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद को दर्शाता है।'

जिन कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट और रैंकिंग में कमी देखी गयी, उसमें बाबा रामदेव की अगुआई वाली पतंजलि आयुर्वेद शामिल है। कंपनी का मूल्य 17.9 फीसदी घटकर 23,000 करोड़ रुपये रहा। साथ ही यह रैंकिंग में फिसलकर 184वें स्थान पर आ गयी जबकि पहले 34वें पायदान पर थी। रिपोर्ट के अनुसार, मूल्य के हिसाब से 313.9 फीसदी की वृद्धि के साथ सर्वाधिक लाभ में वेदांत फैशन रही। इसके बाद अदाणी विल्मर (190 फीसदी) और बिलडेस्क (172.9 फीसदी) का स्थान रहा।

कमाई और नकदी बढ़ी, पर पूंजीगत खर्च नहीं बढ़ा

सालाना कॉरपोरेट आय वित्त वर्ष 2019 के 4.32 लाख करोड़ रुपये के कोविड-पूर्व स्तर से 66 प्रतिशत बढ़ी

कृष्ण कांत
मुंबई, 15 जून

वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2022 में कॉरपोरेट आय में शानदार तेजी के बावजूद पूंजीगत खर्च में सुधार नहीं आया है और निर्धारित परिसंपत्तियों में सूचीबद्ध कंपनियों का निवेश वित्त वर्ष 2022 में सालाना आधार पर महज 2.3 प्रतिशत बढ़ा, जो पिछले 6 वर्षों में धीमी रफ्तार है।

तुलनात्मक तौर पर, कंपनियों का संयुक्त शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2022 में सालाना आधार पर 63.5 प्रतिशत बढ़ा, जबकि शुद्ध बिक्री 31.1 प्रतिशत बढ़ी, जो एक दशक में सबसे तेज वृद्धि थी।

बिजनेस स्टैंडर्ड में नमूने में शामिल 955 गैर-वित्तीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में 7.18 लाख करोड़ रुपये का संयुक्त शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 2021 में 4.39 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2020 के 2.59 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले काफी अधिक है। कंपनियों की संयुक्त शुद्ध बिक्री जहां वित्त वर्ष 2021 में 66.43 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2020 में 69.9 लाख करोड़ रुपये थी, वहीं वित्त वर्ष में यह बढ़कर 87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। कुल मिलाकर, सालाना कॉरपोरेट आय वित्त वर्ष

खर्च में कमजोरी

- 955 गैर-वित्तीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में 7.18 लाख करोड़ रुपये का संयुक्त शुद्ध लाभ दर्ज किया
- कंपनियों की संयुक्त शुद्ध बिक्री वित्त वर्ष में बढ़कर 87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई
- 2022 के अंत में कंपनियों का नकदी एवं बैंक बैलेंस 13.4 प्रतिशत बढ़कर 7.54 लाख करोड़ रुपये हो गया
- शेयरधारकों को लाभांश भुगतान 18.8 प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख करोड़ रुपये रहा
- कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में अपने शेयरधारकों को शेयर पुनर्खरीद के जरिये 33,254 करोड़ रुपये लौटाए

2019 के 4.32 लाख करोड़ रुपये के कोविड-पूर्व स्तर से सालाना आधार पर 66 प्रतिशत बढ़ी। हालांकि समान अवधि में, भारतीय उद्योग जगत की निर्धारित परिसंपत्तियां वित्त वर्ष 2019 के अंत में करीब 41 लाख करोड़ रुपये से 22 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2022 के अंत में 49.8 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गईं।

ये आंकड़े संकेत देते हैं कि पूंजीगत खर्च के वित्त पोषण के बजाय कंपनियों ने पूंजी भंडार और शेयरधारकों के लिए ज्यादा लाभांश चुकाने के लिए अपनी आय और नकद प्रवाह में तेजी का इस्तेमाल किया। वित्त वर्ष 2022 के अंत में कंपनियां का नकदी एवं बैंक बैलेंस सालाना आधार पर 13.4 प्रतिशत बढ़कर 7.54 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि शेयरधारकों के लिए उनका लाभांश भुगतान पिछले वित्त वर्ष सालाना आधार पर 18.8 प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख करोड़ रुपये रहा। लाभांश में शेयर पुनर्खरीद के लिए नकदी खर्च शामिल है। नमूने में शामिल कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में अपने शेयरधारकों को शेयर पुनर्खरीद के जरिये 33,254 करोड़ रुपये लौटाए, जो वित्त वर्ष 2021 के 34,271 करोड़ रुपये से सालाना आधार पर 3 प्रतिशत कम है हालांकि कुल लाभांश भुगतान सालाना आधार पर 22.2 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2022 में 2.71 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 2.22 लाख करोड़ रुपये था।यह विश्लेषण बीएसई-500, बीसई मिडकैप और बीएसई स्मॉलकैप सूचकांकों में शामिल 955 कंपनियों के नमूने के सालाना लाभ-नुकसान और बैलेंस शीट पर आधारित है।

विश्लेषक इसके लिए पिछले वित्त वर्ष आय वृद्धि और पूंजीगत खर्च के बीच अंतर को जिम्मेदार करार देते हैं। जेएम फाइनैंशियल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य रणनीतिकार धनंजय सिन्हा का कहना है, 'वित्त वर्ष 2022 में कॉरपोरेट राजस्व और लाभ में ज्यादातर वृद्धि ऊंची कीमतों की मदद से हासिल हुई और इसे खनन, धातु और तेल एवं गैस कंपनियों जैसे जिंस उत्पादकों द्वारा दर्ज की गई तेजी से बढ़त मिली।'

बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय: 21, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001
सीआईएन:L65999WB2001GOI093759
फोन नं.: 033-22225227
ईमेल: lahoti.a@balmerlawrie.com, वेबसाइट: www.blinv.com

सूचना

एतद्द्वारा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों का असूचीयन) विनियमन, 2021 (यथा संशोधित) के विनियमन 5 एवं 6 के अनुपालन के तहत कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड में कई वर्षों से कंपनी के इक्विटी शेयरों के लेनदेन नहीं होने की वजह से बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड (कंपनी) के निदेशक मंडल ने 30 मई, 2022 को आयोजित अपनी बैठक में अन्य विषयों के साथ कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड से कंपनी के इक्विटी शेयरों के स्वैच्छिक असूचीयन हेतु प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

चूंकि, कंपनी के इक्विटी शेयरों की **सूचीबद्धता** राष्ट्रव्यापी ट्रेडिंग टर्मिनल वाले **बम्बई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, पर जारी रहेगी।** कंपनी को कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड से स्वैच्छिक असूचीयन के कारण शेयरधारकों को निकासी का अवसर प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है।

कृते बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड
अभिषेक लाहोटी
कंपनी सचिव
स्थान: कोलकाता
दिनांक: 15 जून, 2022
ए25141

बीत गए क्रिप्टो निवेशकों के अमीर बनने के दिन!

राजेश भयानी
मुंबई, 15 जून

बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टो करेंसी की कीमतों में भारी गिरावट ने भारत में पहले से ही आसमान से जमीन पर आ चुके क्रिप्टो करेंसी बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। वैश्विक और घरेलू कीमतें पिछले साल नवंबर से लगातार नीचे आई हैं। नवंबर में बिटकॉइन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 68,000 डॉलर के आसपास पहुंच गई थीं, लेकिन हाल में प्रमुख क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की कीमत में भारी गिरावट देखी गई है।

बिटकॉइन की कीमत पिछले सप्ताह में 30,000 डॉलर से करीब 30 प्रतिशत गिरी है। पिछले एक महीने में इसमें 35 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है, जबकि पिछले दो और छह महीने में 48 प्रतिशत और 58 प्रतिशत की कमजोरी आई है। मौजूदा समय में बिटकॉइन 21,100 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है। अरोड़ा रिपोर्ट के अल्गो ट्रेडिंग सलाहकार और लेखक निगम अरोड़ा का कहना है, 'बाजारों में हमारा 30 साल का अनुभव हमें सिखाता है कि जब कोई चीज काफी नीचे गिर जाएगी तो बाजार उसे बाहर निकाल देगा। अब, मेरा मानना है कि तेजड़िये खरीदारी करेंगे और बिटकॉइन को ऊपर ले जाने के प्रयास में 20,000-21,000 डॉलर के दायरे में बनाए रखने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा, हमारे विश्लेषणों में कई मार्जिन कॉल हैं कि क्या बिटकॉइन 19,000 डॉलर से नीचे जाएगी। ये

क्रिप्टो में गिरावट

- मौजूदा समय में बिटकॉइन 21,100 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है
- बिटकॉइन की कीमत पिछले सप्ताह में 30,000 डॉलर से करीब 30 प्रतिशत गिरी है
- नवंबर में बिटकॉइन कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 68,000 डॉलर पर पहुंच गई थीं

मार्जिन कॉल सही साबित हुए हैं और अगला लक्षित दायरा 15,000-16,000 डॉलर है।'

अरोड़ा ने कहा कि दिलचस्प यह है कि करीब एक महीने पहले बिटकॉइन गिरकर 21,000 डॉलर पर आ सकती थी, जब क्रिप्ट 31,280 डॉलर पर थी। अरोड़ा की तरह अन्य विश्लेषकों का भी मानना है कि बिटकॉइन 20,000 का निचला स्तर दर्ज कर सकती है। उसके बाद, बाजार क्रिप्टकरेंसी के लिए एकतरफा होंगे, और जल्द अमीर बनने के दिन निवेशकों के लिए लद गए हैं।

वजीरएक्स के उपाध्यक्ष राजागोपाल मेनन ने कहा, 'वर्ष के शुरू से ही बाजार विभिन्न अनिश्चितताओं के कारण कमजोर बने हुए हैं। इन अनिश्चितताओं में रूस-यूक्रेन युद्ध, लगातार बढ़ रही मुद्रास्फीति, ब्याज दर वृद्धि, और चीन में लॉकडाउन की वजह से आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित समस्याएं मुख्य तौर पर शामिल हैं। सूक्ष्म स्तर पर कुछ अज्ञात घटनाक्रम का भी इस गिरावट में योगदान रहा है।'

रविवार को, प्रख्यात वैश्विक क्रिप्ट ऋणदाता सेल्सियस नेटवर्क ने विपरीत बाजार हालात का हवाला देते हुए सभी अदला-बदली, निकासी और खातों के बीच स्थानांतरण रोक दिए। अब कंपनी ने वित्तीय पुनर्गठन अटॉर्नी की नियुक्ति की है। एक अन्य घटनाक्रम में आज सुबह क्रिप्ट बाजार के एक बेहद प्रख्यात कारोबार एक बड़े क्रिप्ट हेज फंड के संबंध में 40 करोड़ डॉलर की दिवालिया जांच की खबर सामने आई।

क्रिप्ट रिसर्च एवं रेटिंग कंपनी क्रेबैको के संस्थापक एवं मुख्य कार्याधिकारी सिद्धार्थ सोगानी ने कहा, ' मुद्रास्फीति से निपटने के उपायों के सख्ती की प्रक्रिया में दुनियाभर के वित्तीय बाजारों की तरह बिटकॉइन भी अपवाद नहीं है। मैं इसकी कीमत को अब 20,000 डॉलर और निचले स्तर पर 18,000 डॉलर पर समर्थन मिलने की संभावना देख रहा हूं, लेकिन कुल मिलाकर, क्रिप्ट बाजार मंदी के चक्र में है और एक या दो महीने तक यह समेकित या एकतरफा बना रहेगा।'

निवेशकों की सतर्कता बताने वाले पांच तकनीकी संकेतक

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से ब्याज दरों में बढ़ोतरी के फैसले से पहले बुधवार को निफ्टी लगातार छठे दिन लाल निशान में बंद हुआ। यह इंडेक्स पिछले छह कारोबारी सत्र में 4.8 फीसदी यानी 786 अंक टूटकर 15,692 पर आ गया है। बढ़ती महंगाई व बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी के बीच पिछले दो महीने में इंडेक्स में 13 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज हुई है। एक नोट में आईआईएफएल रिसर्च ने पांच संकेतकों को रेखांकित किया है जो बताता है कि निवेशकों के बीच काफी सतर्कता का रुख है। पांच संकेतक...

200 दिन का मूविंग एवरेज

बीएसई 500 में शामिल 80 फीसदी से ज्यादा शेयर अपने-अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहे हैं, जो बाजार की अवधारणा का अहम तकनीकी माप है। यह मई 2020 के बाद का निचला स्तर है जब 83 फीसदी शेयर अपने-अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहे थे। आईआईएफएल ऑल्टरनेटिव रिसर्च के उपाध्यक्ष श्रीराम वेलायुधन ने कहा, 200 दिन का मूविंग एवरेज पिछली बिकवाली मसलन 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट या 2013 के घटनाक्रम के दौरान बाजार का अहम संकेतक साबित हुआ है।

निफ्टी बनाम 200 डीएमए प्रीमियम/डिस्काउंट का स्प्रेड

एक अन्य भरोसेमंद संकेतक स्प्रेड अब 9 फीसदी है। सामान्य भाषा में निफ्टी अभी अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से 9 फीसदी नीचे है। कुछ मौकों पर गिरावट का दौर पलट गया था जब यह संकेतक 12 फीसदी से लेकर -15 फीसदी के दायरे में रहा था।

52 हफ्ते का उच्च-निम्न डीएमए बनाम एनएसई 500

52 हफ्ते का उच्च-निम्न बैरोमीटर बीएसई 500 में शामिल शेयरों के 52 हफ्ते के उच्चस्तर व निम्नस्तर को छूने वालों के बीच का अंतर 100 दिन का मूविंग एवरेज ग्राफ होता है। विगत में जब यह ग्राफ 40 या -30 को छू गया था तब बाजार में उछाल का अच्छा संकेतक था। अभी यह नकारात्मक क्षेत्र में चला गया है। वेलायुधन ने कहा, इस बैरोमीटर के और नीचे जाने की गुंजाइश है और यह सिर्फ न्यूट्रल जोन के महज पार निकला है।

चढ़ने-गिरने वालों के अनुपात का 600 डीएमए

यह अभी -200 से नीचे है और कई साल के निचले स्तर -300 की ओर जा रहा है। विगत में बाजार इसके 200 तक टूटने के बाद सुधरा है। वेलायुधन ने कहा, ऐसे में मेरा मानना है कि इसमें और गिरावट की गुंजाइश है।

एफपीआई की शॉर्टिंग

आईआईएफएल ऑल्टरनेटिव रिसर्च के मुताबिक, इंडेक्स फ्यूचर्स में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की शॉर्ट करने की दिलचस्पी अभी सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई है। इंडेक्स फ्यूचर्स को शॉर्ट करने में एफपीआई की हिस्सेदारी अभी करीब 89 फीसदी है। *बीएस*

मई में आईपीओ ने खींच ली एमएफ की नकदी

बीएस संवाददाता
मुंबई, 15 जून

सूचीबद्ध कंपनियों में म्युचुअल फंड निवेशकों के निवेश की क्षमता मई में बड़े आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के कारण प्रभावित हुई। एडलवाइस ऑल्टरनेटिव रिसर्च के विश्लेषण के मुताबिक, सरकारी स्वामित्व वाली एलआईसी और सॉफ्टबैंक समर्थित लॉजिस्टिक्स दिग्गज डेलिवरी ने मई में क्रमशः 4,065 करोड़ रुपये व 2,418 करोड़ रुपये का म्युचुअल फंड निवेश आकर्षित किया। म्युचुअल फंडों ने पिछले महीने कुल मिलाकर 29,400 करोड़ रुपये निवेशकिया जबकि विदेशी निवेशकों ने 42,900 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक अन्य शेयर थे, जहां म्युचुअल फंडों ने खासा निवेश किया। दूसरी ओर, कोटक महिंद्रा बैंक, सेल और यूपीएल से देसी फंडों ने निवेश निकासी की।

नॉमिनी का विकल्प : पूंजी सेबी ने बुधवार को कहा कि एक अगस्त से म्युचुअल फंड में निवेश करने वाले निवेशकों को 'नॉमिनी' का नाम देने या उससे बाहर निकलने का विकल्प मिलेगा। सेबी के परिपत्र के अनुसार, नियामक ने व्यक्ति नामित करने या उसे हटाने के लिये प्रारूप भी जारी किया। *भाषा*

प्राइवेट इक्विटी-वेंचर कैपिटल निवेश 5.3 अरब डॉलर

निवेश में सालाना 42 फीसदी बढ़त जबकि मासिक आधार पर 29 फीसदी की गिरावट दर्ज

बीएस संवाददाता
मुंबई, 15 जून

प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल कंपनियों की तरफ से मई में सालाना आधार पर निवेश में बढ़ोतरी जारी रही, हालांकि मासिक आधार पर उनके निवेश पर वैश्विक अनिश्चितता का दबाव स्पष्ट तौर पर देखने को मिला।

आईवीसीए-ईवाई की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि मई 2022 में पीई/वीसी निवेश 5.3 अरब डॉलर रहा, जो मई 2021 के मुकाबले 42 फीसदी ज्यादा है लेकिन अप्रैल 2022 के 7.5 अरब डॉलर के निवेश के मुकाबले 29 फीसदी कम है।

मई 2022 में 109 सौदे हुए, जो मई 2021 के 66 सौदों के मुकाबले 65 फीसदी ज्यादा है जबकि अप्रैल 2022 के 117 सौदों से 12 फीसदी कम है।

एक सकारात्मक प्रवृत्ति यह रही कि जब रकम जुटाने की बात आती है तो उसमें बढ़त का रुख नजर आया। मई 2022 में पांच फंडों के जरिए कुल मिलाकर 66.8 करोड़ डॉलर जुटाए गए जबकि मई 2021 में तीन फंडों के जरिये 15.4 करोड़ डॉलर जुटाए गए थे। मई 2022 में सबसे ज्यादा रकम जंगल वेंचर्स ने जुटाई, जिसने चौथे इंडिया डेडिकेटेड फंड के तहत 60 करोड़ डॉलर जुटाए।

ईवाई के पार्टनर व नैशनल लीडर (प्राइवेट इक्विटी सर्विसेज) विवेक सोनी ने कहा, अमेरिकी और भारतीय केंद्रीय बैंकों की तरफसे नकदी पर सख्ती के बावजूद पीई-वीसी पूंजी का प्रवाह भारत में जारी रहा और इस साल अब तक 28.8 अरब डॉलर का निवेश

हुआ, जो सालाना आधार पर 35 फीसदी ज्यादा है।

मई 2022 में रियल एस्टेट और इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में निवेश सबसे आगे रहा और 1.7 अरब डॉलर का निवेश हुआ, जो कई माह तक पिछड़ा रहा था क्योंकि पीई-वीसी ने उच्च बढ़त वाले क्षेत्रों मसलन ई-कॉमर्स व तकनीक में पूरे 2021 के दौरान पूंजी आवंटन पर जोर दिया था।

मई में सबसे बड़ा सौदा अदाणी नियंत्रित मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट में हुआ, जिसने अपोलो ग्लोबल से 75 करोड़ डॉलर का कर्ज जुटाया। इसके बाद बेन कैपिटल और आई कैम्ब्रिज ने लोढ़ा समूह के साथ बनाए संयुक्त उद्यम लोढ़ा लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म स्थापित करने पर 66.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेशका ऐलान किया। वित्तीय सेवा क्षेत्र में अब तक 5.3 अरब डॉलर का निवेश हुआ और यह क्षेत्र पीई-वीसी निवेशकों के लिए सबसे ऊपर रहा।

निचले स्तर पर निजी नियोजन

इस साल मई 2022 तक जुटाई गई कुल रकम सालाना आधार पर 23 फीसदी कम रही

सचिन मामबटा
मुंबई, 15 जून

निजी नियोजन के जरिए विभिन्न इकाइयों की तरफ से जुटाई गई रकम साल 2014 के बाद के निचले स्तर पर है। साल 2022 के पहले पांच महीने में इन इकाइयों ने 1.96 लाख करोड़ रुपये जुटाए और यह जानकारी प्राइम डेटाबेस से मिली। यह रकम पिछले साल की समान अवधि में जुटाई गई रकम के मुकाबले 23.4 फीसदी कम है क्योंकि पिछले साल 2.56 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। यह रकम साल 2014 के बाद का निचला स्तर है क्योंकि तब 1.17 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए थे। रकम की कम जरूरत और उच्च ब्याज दर ने रकम जुटाने की गतिविधियों में कमी लाई है।

मिरे एसेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स इंडिया के मुख्य निवेश अधिकारी (फिक्स्ड इनकम) महेंद्र कुमार जाजू ने कहा, कई कंपनियों के पास अतिरिक्त नकदी थी और उनकी जरूरतें सीमित थीं, जिसका मतलब यह हुआ कि मौजूदा माहौल में रकम जुटाने की कोई हड़बड़ी नहीं रही। पब्लिक सेक्टर की कंपनियां भी यहां अनुपस्थिर रहीं और कई ने सरकार से रकम मिलने के बीच कर्ज का पुनर्भुगतान किया। उन्होंने कहा, हर कोई डीलिवरेजिंग पर ध्यान केंद्रित किए रहा।

इस परिदृश्य में कोई बदलाव तभी होगा जब कंपनियां पूंजीगत खर्च पर दोबारा विचार करेंगी, चाहे उन्हें नई फैक्टरी लगानी हो या फिर उत्पादन क्षमता बढ़ानी हो या फिर कार्यशील पूंजी की जरूरत हो, जो रोजाना के परिचालन में इस्तेमाल में आती है।

प्राइम डेटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा, वैश्विक बढ़त के प्रतिकूल परिदृश्य और नए निवेश की सीमित दरकार की पृष्ठभूमि में कंपनियां नई उधारी पर कम आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, पूंजीगत खर्च की आवश्यकता बहुत ज्यादा नहीं है।

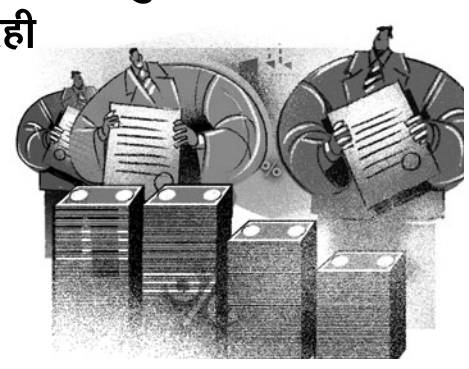

कोष उगाही में नरमी

- रकम की कम जरूरत और उच्च ब्याज दर ने रकम जुटाने की गतिविधियों में कमी की है
- निजी नियोजन तब होता है जब कोई इकाई चुनिंदा व सीमित लोगों से रकम जुटाती है

उन्होंने कहा, निवेशक भी उतारचढ़ाव भरे ब्याज दर के माहौल में नया निवेश नहीं कर रहे हैं। कई निवेशक स्पष्ट परिदृश्य उभरने तक इंतजार करना चाहेंगे।

निजी नियोजन तब होता है जब कोई इकाई चुनिंदा व सीमित लोगों से रकम जुटाती है और वह भी इसका सावर्जनिक विज्ञापन दिए बिना। कम लागत और तेज गति से रकम जुटाने का जरिया होने के कारण पूंजी जुटाने के लिए इसे तरजीह दी जाती है। आम धातु, सिविल इंजीनियरिंग, बिजली और गैस आदि क्षेत्र की कंपनियां इस जरिये का काफी इस्तेमाल करती हैं। यह जानकारी एक अध्ययन से मिली। इस अवधि में 952 इश्यू सामने आए। यह पहले के मुताबिक ही है। इश्यू का औसत आकार 2020 के पहले पांच महीने के 468 करोड़ रुपये के मुकाबले आधा घटकर 2022 की समान अवधि में 205.9 करोड़ रुपये रह गया।

अदाणी की फर्मों का मूल्यांकन बढ़ा

भाषा
मुंबई, 15 जून

शेयर बाजार में तेजी के साथ मूल्य के हिसाब से अदाणी समूह की कंपनियों को सर्वाधिक लाभ हुआ है। छह महीने यानी नवंबर से लेकर अप्रैल, 2022 के दौरान विविध कारोबार से जुड़े समूह का मूल्यांकन 88.1 फीसदी उछलकर 17.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसकी तुलना में दिग्गज उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्य 13.4 फीसदी बढ़कर 18.87 लाख करोड़ रुपये रहा। इसके साथ कंपनी बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया की 500 की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बनी हुई है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सूची में 12.97 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ तीसरे स्थान पर रही। हालांकि, उसका मूल्य इस दौरान 0.9 फीसदी घटा है। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा। रिपोर्ट के अनुसार, गौतम अदाणी की अगुआई वाली कंपनियों में अदाणी ग्रीन एनर्जी का मूल्यांकन सबसे तेजी से 139 फीसदी बढ़कर 4.50 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इसके साथ कंपनी छठे स्थान पर आ गयी जबकि छह महीने पहले 16वें स्थान पर थी। अदाणी विल्मर इस दौरान करीब 190 फीसदी बढ़कर 66,427 करोड़ रुपये, अदाणी पावर 157.8 फीसदी की वृद्धि के साथ 66,185 करोड़ रुपये पहुंच गयी। समूह की कुल नौ कंपनियों का मूल्यांकन छह महीने के दौरान (नवंबर 2021 से अप्रैल 2022) 88.1 फीसदी बढ़कर 17.6 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इनकी 500 शीर्ष कंपनियों में हिस्सेदारी 7.6 फीसदी है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'आलोच्य अवधि में अदाणी समूह की कंपनियों ने अपना मूल्य 88.1 फीसदी बढ़ाया है। जबकि 500 कंपनियों का मूल्य केवल 2 फीसदी बढ़ा है।'

हुरुन इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में शीर्ष 500 कंपनियों का मूल्य मामूली 2 फीसदी बढ़कर 232 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो 30 अक्टूबर, 2021 को 221 लाख करोड़ रुपये था। मामूली वृद्धि के बावजूद सूची में शामिल कंपनियों का प्रदर्शन बीएसई सेंसेक्स की 30 कंपनियों (चार प्रतिशत की गिरावट) और नैस्डेक में शामिल कंपनियों (17 प्रतिशत की गिरावट) से बेहतर है। हुरुन इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा, ' भारतीय कंपनियों ने उतार-चढ़ाव का बखूबी सामना किया और दुनिया की अपनी समकक्ष कंपनियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद को दर्शाता है।'

जिन कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट और रैंकिंग में कमी देखी गयी, उसमें बाबा रामदेव की अगुआई वाली पतंजलि आयुर्वेद शामिल है। कंपनी का मूल्य 17.9 फीसदी घटकर 23,000 करोड़ रुपये रहा। साथ ही यह रैंकिंग में फिसलकर 184वें स्थान पर आ गयी जबकि पहले 34वें पायदान पर थी। रिपोर्ट के अनुसार, मूल्य के हिसाब से 313.9 फीसदी की वृद्धि के साथ सर्वाधिक लाभ में वेदांत फैशन रही। इसके बाद अदाणी विल्मर (190 फीसदी) और बिलडेस्क (172.9 फीसदी) का स्थान रहा।

कमाई और नकदी बढ़ी, पर पूंजीगत खर्च नहीं बढ़ा

सालाना कॉरपोरेट आय वित्त वर्ष 2019 के 4.32 लाख करोड़ रुपये के कोविड-पूर्व स्तर से 66 प्रतिशत बढ़ी

कृष्ण कांत
मुंबई, 15 जून

वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2022 में कॉरपोरेट आय में शानदार तेजी के बावजूद पूंजीगत खर्च में सुधार नहीं आया है और निर्धारित परिसंपत्तियों में सूचीबद्ध कंपनियों का निवेश वित्त वर्ष 2022 में सालाना आधार पर महज 2.3 प्रतिशत बढ़ा, जो पिछले 6 वर्षों में धीमी रफ्तार है।

तुलनात्मक तौर पर, कंपनियों का संयुक्त शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2022 में सालाना आधार पर 63.5 प्रतिशत बढ़ा, जबकि शुद्ध बिक्री 31.1 प्रतिशत बढ़ी, जो एक दशक में सबसे तेज वृद्धि थी।

बिजनेस स्टैंडर्ड में नमूने में शामिल 955 गैर-वित्तीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में 7.18 लाख करोड़ रुपये का संयुक्त शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 2021 में 4.39 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2020 के 2.59 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले काफी अधिक है। कंपनियों की संयुक्त शुद्ध बिक्री जहां वित्त वर्ष 2021 में 66.43 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2020 में 69.9 लाख करोड़ रुपये थी, वहीं वित्त वर्ष में यह बढ़कर 87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। कुल मिलाकर, सालाना कॉरपोरेट आय वित्त वर्ष

खर्च में कमजोरी

- 955 गैर-वित्तीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में 7.18 लाख करोड़ रुपये का संयुक्त शुद्ध लाभ दर्ज किया
- कंपनियों की संयुक्त शुद्ध बिक्री वित्त वर्ष में बढ़कर 87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई
- 2022 के अंत में कंपनियों का नकदी एवं बैंक बैलेंस 13.4 प्रतिशत बढ़कर 7.54 लाख करोड़ रुपये हो गया
- शेयरधारकों को लाभांश भुगतान 18.8 प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख करोड़ रुपये रहा
- कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में अपने शेयरधारकों को शेयर पुनर्खरीद के जरिये 33,254 करोड़ रुपये लौटाए

2019 के 4.32 लाख करोड़ रुपये के कोविड-पूर्व स्तर से सालाना आधार पर 66 प्रतिशत बढ़ी। हालांकि समान अवधि में, भारतीय उद्योग जगत की निर्धारित परिसंपत्तियां वित्त वर्ष 2019 के अंत में करीब 41 लाख करोड़ रुपये से 22 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2022 के अंत में 49.8 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गईं।

ये आंकड़े संकेत देते हैं कि पूंजीगत खर्च के वित्त पोषण के बजाय कंपनियों ने पूंजी भंडार और शेयरधारकों के लिए ज्यादा लाभांश चुकाने के लिए अपनी आय और नकद प्रवाह में तेजी का इस्तेमाल किया। वित्त वर्ष 2022 के अंत में कंपनियां का नकदी एवं बैंक बैलेंस सालाना आधार पर 13.4 प्रतिशत बढ़कर 7.54 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि शेयरधारकों के लिए उनका लाभांश भुगतान पिछले वित्त वर्ष सालाना आधार पर 18.8 प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख करोड़ रुपये रहा। लाभांश में शेयर पुनर्खरीद के लिए नकदी खर्च शामिल है। नमूने में शामिल कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में अपने शेयरधारकों को शेयर पुनर्खरीद के जरिये 33,254 करोड़ रुपये लौटाए, जो वित्त वर्ष 2021 के 34,271 करोड़ रुपये से सालाना आधार पर 3 प्रतिशत कम है हालांकि कुल लाभांश भुगतान सालाना आधार पर 22.2 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2022 में 2.71 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 2.22 लाख करोड़ रुपये था।यह विश्लेषण बीएसई-500, बीसई मिडकैप और बीएसई स्मॉलकैप सूचकांकों में शामिल 955 कंपनियों के नमूने के सालाना लाभ-नुकसान और बैलेंस शीट पर आधारित है।

विश्लेषक इसके लिए पिछले वित्त वर्ष आय वृद्धि और पूंजीगत खर्च के बीच अंतर को जिम्मेदार करार देते हैं। जेएम फाइनैंशियल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य रणनीतिकार धनंजय सिन्हा का कहना है, 'वित्त वर्ष 2022 में कॉरपोरेट राजस्व और लाभ में ज्यादातर वृद्धि ऊंची कीमतों की मदद से हासिल हुई और इसे खनन, धातु और तेल एवं गैस कंपनियों जैसे जिंस उत्पादकों द्वारा दर्ज की गई तेजी से बढ़त मिली।'

बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय: 21, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001
सीआईएन:L65999WB2001GOI093759
फोन नं.: 033-22225227
ईमेल: lahoti.a@balmerlawrie.com, वेबसाइट: www.blinv.com

सूचना

एतद्द्वारा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों का असूचीयन) विनियमन, 2021 (यथा संशोधित) के विनियमन 5 एवं 6 के अनुपालन के तहत कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड में कई वर्षों से कंपनी के इक्विटी शेयरों के लेनदेन नहीं होने की वजह से बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड (कंपनी) के निदेशक मंडल ने 30 मई, 2022 को आयोजित अपनी बैठक में अन्य विषयों के साथ कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड से कंपनी के इक्विटी शेयरों के स्वैच्छिक असूचीयन हेतु प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

चूंकि, कंपनी के इक्विटी शेयरों की **सूचीबद्धता** राष्ट्रव्यापी ट्रेडिंग टर्मिनल वाले **बम्बई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, पर जारी रहेगी।** कंपनी को कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड से स्वैच्छिक असूचीयन के कारण शेयरधारकों को निकासी का अवसर प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है।

कृते बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड
अभिषेक लाहोटी
कंपनी सचिव
स्थानः कोलकाता
दिनांकः 15 जून, 2022
ए25141

बीत गए क्रिप्टो निवेशकों के अमीर बनने के दिन!

राजेश भयानी
मुंबई, 15 जून

बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टो करेंसी की कीमतों में भारी गिरावट ने भारत में पहले से ही आसमान से जमीन पर आ चुके क्रिप्टो करेंसी बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। वैश्विक और घरेलू कीमतें पिछले साल नवंबर से लगातार नीचे आई हैं। नवंबर में बिटकॉइन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 68,000 डॉलर के आसपास पहुंच गई थीं, लेकिन हाल में प्रमुख क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की कीमत में भारी गिरावट देखी गई है।

बिटकॉइन की कीमत पिछले सप्ताह में 30,000 डॉलर से करीब 30 प्रतिशत गिरी है। पिछले एक महीने में इसमें 35 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है, जबकि पिछले दो और छह महीने में 48 प्रतिशत और 58 प्रतिशत की कमजोरी आई है। मौजूदा समय में बिटकॉइन 21,100 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है। अरोड़ा रिपोर्ट के अल्गो ट्रेडिंग सलाहकार और लेखक निगम अरोड़ा का कहना है, 'बाजारों में हमारा 30 साल का अनुभव हमें सिखाता है कि जब कोई चीज काफी नीचे गिर जाएगी तो बाजार उसे बाहर निकाल देगा। अब, मेरा मानना है कि तेजड़िये खरीदारी करेंगे और बिटकॉइन को ऊपर ले जाने के प्रयास में 20,000-21,000 डॉलर के दायरे में बनाए रखने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा, हमारे विश्लेषणों में कई मार्जिन कॉल हैं कि क्या बिटकॉइन 19,000 डॉलर से नीचे जाएगी। ये

क्रिप्टो में गिरावट

- मौजूदा समय में बिटकॉइन 21,100 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही है
- बिटकॉइन की कीमत पिछले सप्ताह में 30,000 डॉलर से करीब 30 प्रतिशत गिरी है
- नवंबर में बिटकॉइन कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 68,000 डॉलर पर पहुंच गई थीं

मार्जिन कॉल सही साबित हुए हैं और अगला लक्षित दायरा 15,000-16,000 डॉलर है।'

अरोड़ा ने कहा कि दिलचस्प यह है कि करीब एक महीने पहले बिटकॉइन गिरकर 21,000 डॉलर पर आ सकती थी, जब क्रिप्ट 31,280 डॉलर पर थी। अरोड़ा की तरह अन्य विश्लेषकों का भी मानना है कि बिटकॉइन 20,000 का निचला स्तर दर्ज कर सकती है। उसके बाद, बाजार क्रिप्टकरेंसी के लिए एकतरफा होंगे, और जल्द अमीर बनने के दिन निवेशकों के लिए लद गए हैं।

वजीरएक्स के उपाध्यक्ष राजागोपाल मेनन ने कहा, 'वर्ष के शुरू से ही बाजार विभिन्न अनिश्चितताओं के कारण कमजोर बने हुए हैं। इन अनिश्चितताओं में रूस-यूक्रेन युद्ध, लगातार बढ़ रही मुद्रास्फीति, ब्याज दर वृद्धि, और चीन में लॉकडाउन की वजह से आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित समस्याएं मुख्य तौर पर शामिल हैं। सूक्ष्म स्तर पर कुछ अज्ञात घटनाक्रम का भी इस गिरावट में योगदान रहा है।'

रविवार को, प्रख्यात वैश्विक क्रिप्ट ऋणदाता सेल्सियस नेटवर्क ने विपरीत बाजार हालात का हवाला देते हुए सभी अदला-बदली, निकासी और खातों के बीच स्थानांतरण रोक दिए। अब कंपनी ने वित्तीय पुनर्गठन अटॉर्नी की नियुक्ति की है। एक अन्य घटनाक्रम में आज सुबह क्रिप्ट बाजार के एक बेहद प्रख्यात कारोबार एक बड़े क्रिप्ट हेज फंड के संबंध में 40 करोड़ डॉलर की दिवालिया जांच की खबर सामने आई।

क्रिप्ट रिसर्च एवं रेटिंग कंपनी क्रेबैको के संस्थापक एवं मुख्य कार्याधिकारी सिद्धार्थ सोगानी ने कहा, ' मुद्रास्फीति से निपटने के उपायों के सख्ती की प्रक्रिया में दुनियाभर के वित्तीय बाजारों की तरह बिटकॉइन भी अपवाद नहीं है। मैं इसकी कीमत को अब 20,000 डॉलर और निचले स्तर पर 18,000 डॉलर पर समर्थन मिलने की संभावना देख रहा हूं, लेकिन कुल मिलाकर, क्रिप्ट बाजार मंदी के चक्र में है और एक या दो महीने तक यह समेकित या एकतरफा बना रहेगा।'

निवेशकों की सतर्कता बताने वाले पांच तकनीकी संकेतक

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से ब्याज दरों में बढ़ोतरी के फैसले से पहले बुधवार को निफ्टी लगातार छठे दिन लाल निशान में बंद हुआ। यह इंडेक्स पिछले छह कारोबारी सत्र में 4.8 फीसदी यानी 786 अंक टूटकर 15,692 पर आ गया है। बढ़ती महंगाई व बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी के बीच पिछले दो महीने में इंडेक्स में 13 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज हुई है। एक नोट में आईआईएफएल रिसर्च ने पांच संकेतकों को रेखांकित किया है जो बताता है कि निवेशकों के बीच काफी सतर्कता का रुख है। पांच संकेतक...

200 दिन का मूविंग एवरेज

बीएसई 500 में शामिल 80 फीसदी से ज्यादा शेयर अपने-अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहे हैं, जो बाजार की अवधारणा का अहम तकनीकी माप है। यह मई 2020 के बाद का निचला स्तर है जब 83 फीसदी शेयर अपने-अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहे थे। आईआईएफएल ऑल्टरनेटिव रिसर्च के उपाध्यक्ष श्रीराम वेलायुधन ने कहा, 200 दिन का मूविंग एवरेज पिछली बिकवाली मसलन 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट या 2013 के घटनाक्रम के दौरान बाजार का अहम संकेतक साबित हुआ है।

निफ्टी बनाम 200 डीएमए प्रीमियम/डिस्काउंट का स्प्रेड

एक अन्य भरोसेमंद संकेतक स्प्रेड अब 9 फीसदी है। सामान्य भाषा में निफ्टी अभी अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज से 9 फीसदी नीचे है। कुछ मौकों पर गिरावट का दौर पलट गया था जब यह संकेतक 12 फीसदी से लेकर -15 फीसदी के दायरे में रहा था।

52 हफ्ते का उच्च-निम्न डीएमए बनाम एनएसई 500

52 हफ्ते का उच्च-निम्न बैरोमीटर बीएसई 500 में शामिल शेयरों के 52 हफ्ते के उच्चस्तर व निम्नस्तर को छूने वालों के बीच का अंतर 100 दिन का मूविंग एवरेज ग्राफ होता है। विगत में जब यह ग्राफ 40 या -30 को छू गया था तब बाजार में उछाल का अच्छा संकेतक था। अभी यह नकारात्मक क्षेत्र में चला गया है। वेलायुधन ने कहा, इस बैरोमीटर के और नीचे जाने की गुंजाइश है और यह सिर्फ न्यूट्रल जोन के महज पार निकला है।

चढ़ने-गिरने वालों के अनुपात का 600 डीएमए

यह अभी -200 से नीचे है और कई साल के निचले स्तर -300 की ओर जा रहा है। विगत में बाजार इसके 200 तक टूटने के बाद सुधरा है। वेलायुधन ने कहा, ऐसे में मेरा मानना है कि इसमें और गिरावट की गुंजाइश है।

एफपीआई की शॉर्टिंग

आईआईएफएल ऑल्टरनेटिव रिसर्च के मुताबिक, इंडेक्स फ्यूचर्स में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की शॉर्ट करने की दिलचस्पी अभी सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई है। इंडेक्स फ्यूचर्स को शॉर्ट करने में एफपीआई की हिस्सेदारी अभी करीब 89 फीसदी है। *बीएस*

मई में आईपीओ ने खींच ली एमएफ की नकदी

बीएस संवाददाता
मुंबई, 15 जून

सूचीबद्ध कंपनियों में म्युचुअल फंड निवेशकों के निवेश की क्षमता मई में बड़े आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के कारण प्रभावित हुई। एडलवाइस ऑल्टरनेटिव रिसर्च के विश्लेषण के मुताबिक, सरकारी स्वामित्व वाली एलआईसी और सॉफ्टबैंक समर्थित लॉजिस्टिक्स दिग्गज डेलिवरी ने मई में क्रमशः 4,065 करोड़ रुपये व 2,418 करोड़ रुपये का म्युचुअल फंड निवेश आकर्षित किया। म्युचुअल फंडों ने पिछले महीने कुल मिलाकर 29,400 करोड़ रुपये निवेशकिया जबकि विदेशी निवेशकों ने 42,900 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईसीआईसीआई बैंक अन्य शेयर थे, जहां म्युचुअल फंडों ने खासा निवेश किया। दूसरी ओर, कोटक महिंद्रा बैंक, सेल और यूपीएल से देसी फंडों ने निवेश निकासी की।

नॉमिनी का विकल्प : पूंजी सेबी ने बुधवार को कहा कि एक अगस्त से म्युचुअल फंड में निवेश करने वाले निवेशकों को 'नॉमिनी' का नाम देने या उससे बाहर निकलने का विकल्प मिलेगा। सेबी के परिपत्र के अनुसार, नियामक ने व्यक्ति नामित करने या उसे हटाने के लिये प्रारूप भी जारी किया। *भाषा*

प्राइवेट इक्विटी-वेंचर कैपिटल निवेश 5.3 अरब डॉलर

निवेश में सालाना 42 फीसदी बढ़त जबकि मासिक आधार पर 29 फीसदी की गिरावट दर्ज

बीएस संवाददाता
मुंबई, 15 जून

प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल कंपनियों की तरफ से मई में सालाना आधार पर निवेश में बढ़ोतरी जारी रही, हालांकि मासिक आधार पर उनके निवेश पर वैश्विक अनिश्चितता का दबाव स्पष्ट तौर पर देखने को मिला।

आईवीसीए-ईवाई की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि मई 2022 में पीई/वीसी निवेश 5.3 अरब डॉलर रहा, जो मई 2021 के मुकाबले 42 फीसदी ज्यादा है लेकिन अप्रैल 2022 के 7.5 अरब डॉलर के निवेश के मुकाबले 29 फीसदी कम है।

मई 2022 में 109 सौदे हुए, जो मई 2021 के 66 सौदों के मुकाबले 65 फीसदी ज्यादा है जबकि अप्रैल 2022 के 117 सौदों से 12 फीसदी कम है।

एक सकारात्मक प्रवृत्ति यह रही कि जब रकम जुटाने की बात आती है तो उसमें बढ़त का रुख नजर आया। मई 2022 में पांच फंडों के जरिए कुल मिलाकर 66.8 करोड़ डॉलर जुटाए गए जबकि मई 2021 में तीन फंडों के जरिये 15.4 करोड़ डॉलर जुटाए गए थे। मई 2022 में सबसे ज्यादा रकम जंगल वेंचर्स ने जुटाई, जिसने चौथे इंडिया डेडिकेटेड फंड के तहत 60 करोड़ डॉलर जुटाए।

ईवाई के पार्टनर व नैशनल लीडर (प्राइवेट इक्विटी सर्विसेज) विवेक सोनी ने कहा, अमेरिकी और भारतीय केंद्रीय बैंकों की तरफसे नकदी पर सख्ती के बावजूद पीई-वीसी पूंजी का प्रवाह भारत में जारी रहा और इस साल अब तक 28.8 अरब डॉलर का निवेश

हुआ, जो सालाना आधार पर 35 फीसदी ज्यादा है।

मई 2022 में रियल एस्टेट और इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में निवेश सबसे आगे रहा और 1.7 अरब डॉलर का निवेश हुआ, जो कई माह तक पिछड़ा रहा था क्योंकि पीई-वीसी ने उच्च बढ़त वाले क्षेत्रों मसलन ई-कॉमर्स व तकनीक में पूरे 2021 के दौरान पूंजी आवंटन पर जोर दिया था।

मई में सबसे बड़ा सौदा अदाणी नियंत्रित मुंबई इंटरनैशनल एयरपोर्ट में हुआ, जिसने अपोलो ग्लोबल से 75 करोड़ डॉलर का कर्ज जुटाया। इसके बाद बेन कैपिटल और आई कैम्ब्रिज ने लोढ़ा समूह के साथ बनाए संयुक्त उद्यम लोढ़ा लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म स्थापित करने पर 66.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेशका ऐलान किया। वित्तीय सेवा क्षेत्र में अब तक 5.3 अरब डॉलर का निवेश हुआ और यह क्षेत्र पीई-वीसी निवेशकों के लिए सबसे ऊपर रहा।

निचले स्तर पर निजी नियोजन

इस साल मई 2022 तक जुटाई गई कुल रकम सालाना आधार पर 23 फीसदी कम रही

सचिन मामबटा
मुंबई, 15 जून

निजी नियोजन के जरिए विभिन्न इकाइयों की तरफ से जुटाई गई रकम साल 2014 के बाद के निचले स्तर पर है। साल 2022 के पहले पांच महीने में इन इकाइयों ने 1.96 लाख करोड़ रुपये जुटाए और यह जानकारी प्राइम डेटाबेस से मिली। यह रकम पिछले साल की समान अवधि में जुटाई गई रकम के मुकाबले 23.4 फीसदी कम है क्योंकि पिछले साल 2.56 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। यह रकम साल 2014 के बाद का निचला स्तर है क्योंकि तब 1.17 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए थे। रकम की कम जरूरत और उच्च ब्याज दर ने रकम जुटाने की गतिविधियों में कमी लाई है।

मिरे एसेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स इंडिया के मुख्य निवेश अधिकारी (फिक्स्ड इनकम) महेंद्र कुमार जाजू ने कहा, कई कंपनियों के पास अतिरिक्त नकदी थी और उनकी जरूरतें सीमित थीं, जिसका मतलब यह हुआ कि मौजूदा माहौल में रकम जुटाने की कोई हड़बड़ी नहीं रही। पब्लिक सेक्टर की कंपनियां भी यहां अनुपस्थिर रहीं और कई ने सरकार से रकम मिलने के बीच कर्ज का पुनर्भुगतान किया। उन्होंने कहा, हर कोई डीलिवरेजिंग पर ध्यान केंद्रित किए रहा।

इस परिदृश्य में कोई बदलाव तभी होगा जब कंपनियां पूंजीगत खर्च पर दोबारा विचार करेंगी, चाहे उन्हें नई फैक्टरी लगानी हो या फिर उत्पादन क्षमता बढ़ानी हो या फिर कार्यशील पूंजी की जरूरत हो, जो रोजाना के परिचालन में इस्तेमाल में आती है।

प्राइम डेटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा, वैश्विक बढ़त के प्रतिकूल परिदृश्य और नए निवेश की सीमित दरकार की पृष्ठभूमि में कंपनियां नई उधारी पर कम आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, पूंजीगत खर्च की आवश्यकता बहुत ज्यादा नहीं है।

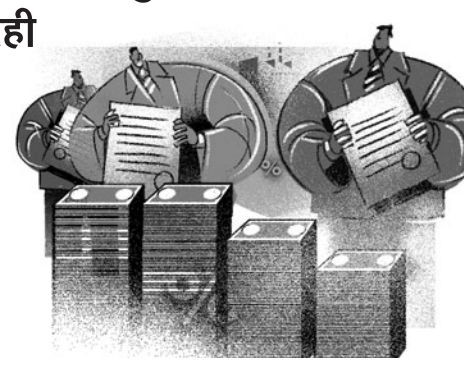

कोष उगाही में नरमी

- रकम की कम जरूरत और उच्च ब्याज दर ने रकम जुटाने की गतिविधियों में कमी की है
- निजी नियोजन तब होता है जब कोई इकाई चुनिंदा व सीमित लोगों से रकम जुटाती है

उन्होंने कहा, निवेशक भी उतारचढ़ाव भरे ब्याज दर के माहौल में नया निवेश नहीं कर रहे हैं। कई निवेशक स्पष्ट परिदृश्य उभरने तक इंतजार करना चाहेंगे।

निजी नियोजन तब होता है जब कोई इकाई चुनिंदा व सीमित लोगों से रकम जुटाती है और वह भी इसका सावर्जनिक विज्ञापन दिए बिना। कम लागत और तेज गति से रकम जुटाने का जरिया होने के कारण पूंजी जुटाने के लिए इसे तरजीह दी जाती है। आम धातु, सिविल इंजीनियरिंग, बिजली और गैस आदि क्षेत्र की कंपनियां इस जरिये का काफी इस्तेमाल करती हैं। यह जानकारी एक अध्ययन से मिली। इस अवधि में 952 इश्यू सामने आए। यह पहले के मुताबिक ही है। इश्यू का औसत आकार 2020 के पहले पांच महीने के 468 करोड़ रुपये के मुकाबले आधा घटकर 2022 की समान अवधि में 205.9 करोड़ रुपये रह गया।

अदाणी की फर्मों का मूल्यांकन बढ़ा

भाषा
मुंबई, 15 जून

शेयर बाजार में तेजी के साथ मूल्य के हिसाब से अदाणी समूह की कंपनियों को सर्वाधिक लाभ हुआ है। छह महीने यानी नवंबर से लेकर अप्रैल, 2022 के दौरान विविध कारोबार से जुड़े समूह का मूल्यांकन 88.1 फीसदी उछलकर 17.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसकी तुलना में दिग्गज उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्य 13.4 फीसदी बढ़कर 18.87 लाख करोड़ रुपये रहा। इसके साथ कंपनी बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया की 500 की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बनी हुई है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सूची में 12.97 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ तीसरे स्थान पर रही। हालांकि, उसका मूल्य इस दौरान 0.9 फीसदी घटा है। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा। रिपोर्ट के अनुसार, गौतम अदाणी की अगुआई वाली कंपनियों में अदाणी ग्रीन एनर्जी का मूल्यांकन सबसे तेजी से 139 फीसदी बढ़कर 4.50 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इसके साथ कंपनी छठे स्थान पर आ गयी जबकि छह महीने पहले 16वें स्थान पर थी। अदाणी विल्मर इस दौरान करीब 190 फीसदी बढ़कर 66,427 करोड़ रुपये, अदाणी पावर 157.8 फीसदी की वृद्धि के साथ 66,185 करोड़ रुपये पहुंच गयी। समूह की कुल नौ कंपनियों का मूल्यांकन छह महीने के दौरान (नवंबर 2021 से अप्रैल 2022) 88.1 फीसदी बढ़कर 17.6 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इनकी 500 शीर्ष कंपनियों में हिस्सेदारी 7.6 फीसदी है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'आलोच्य अवधि में अदाणी समूह की कंपनियों ने अपना मूल्य 88.1 फीसदी बढ़ाया है। जबकि 500 कंपनियों का मूल्य केवल 2 फीसदी बढ़ा है।'

हुरुन इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में शीर्ष 500 कंपनियों का मूल्य मामूली 2 फीसदी बढ़कर 232 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो 30 अक्टूबर, 2021 को 221 लाख करोड़ रुपये था। मामूली वृद्धि के बावजूद सूची में शामिल कंपनियों का प्रदर्शन बीएसई सेंसेक्स की 30 कंपनियों (चार प्रतिशत की गिरावट) और नैस्डेक में शामिल कंपनियों (17 प्रतिशत की गिरावट) से बेहतर है। हुरुन इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा, 'भारतीय कंपनियों ने उतार-चढ़ाव का बखूबी सामना किया और दुनिया की अपनी समकक्ष कंपनियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद को दर्शाता है।'

जिन कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट और रैंकिंग में कमी देखी गयी, उसमें बाबा रामदेव की अगुआई वाली पतंजलि आयुर्वेद शामिल है। कंपनी का मूल्य 17.9 फीसदी घटकर 23,000 करोड़ रुपये रहा। साथ ही यह रैंकिंग में फिसलकर 184वें स्थान पर आ गयी जबकि पहले 34वें पायदान पर थी। रिपोर्ट के अनुसार, मूल्य के हिसाब से 313.9 फीसदी की वृद्धि के साथ सर्वाधिक लाभ में वेदांत फैशन रही। इसके बाद अदाणी विल्मर (190 फीसदी) और बिलडेस्क (172.9 फीसदी) का स्थान रहा।

कमाई और नकदी बढ़ी, पर पूंजीगत खर्च नहीं बढ़ा

सालाना कॉरपोरेट आय वित्त वर्ष 2019 के 4.32 लाख करोड़ रुपये के कोविड-पूर्व स्तर से 66 प्रतिशत बढ़ी

कृष्ण कांत
मुंबई, 15 जून

वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2022 में कॉरपोरेट आय में शानदार तेजी के बावजूद पूंजीगत खर्च में सुधार नहीं आया है और निर्धारित परिसंपत्तियों में सूचीबद्ध कंपनियों का निवेश वित्त वर्ष 2022 में सालाना आधार पर महज 2.3 प्रतिशत बढ़ा, जो पिछले 6 वर्षों में धीमी रफ्तार है।

तुलनात्मक तौर पर, कंपनियों का संयुक्त शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2022 में सालाना आधार पर 63.5 प्रतिशत बढ़ा, जबकि शुद्ध बिक्री 31.1 प्रतिशत बढ़ी, जो एक दशक में सबसे तेज वृद्धि थी।

बिजनेस स्टैंडर्ड में नमूने में शामिल 955 गैर-वित्तीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में 7.18 लाख करोड़ रुपये का संयुक्त शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 2021 में 4.39 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2020 के 2.59 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले काफी अधिक है। कंपनियों की संयुक्त शुद्ध बिक्री जहां वित्त वर्ष 2021 में 66.43 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2020 में 69.9 लाख करोड़ रुपये थी, वहीं वित्त वर्ष में यह बढ़कर 87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। कुल मिलाकर, सालाना कॉरपोरेट आय वित्त वर्ष

खर्च में कमजोरी

- 955 गैर-वित्तीय कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में 7.18 लाख करोड़ रुपये का संयुक्त शुद्ध लाभ दर्ज किया
- कंपनियों की संयुक्त शुद्ध बिक्री वित्त वर्ष में बढ़कर 87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई
- 2022 के अंत में कंपनियों का नकदी एवं बैंक बैलेंस 13.4 प्रतिशत बढ़कर 7.54 लाख करोड़ रुपये हो गया
- शेयरधारकों को लाभांश भुगतान 18.8 प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख करोड़ रुपये रहा
- कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में अपने शेयरधारकों को शेयर पुनर्खरीद के जरिये 33,254 करोड़ रुपये लौटाए

2019 के 4.32 लाख करोड़ रुपये के कोविड-पूर्व स्तर से सालाना आधार पर 66 प्रतिशत बढ़ी। हालांकि समान अवधि में, भारतीय उद्योग जगत की निर्धारित परिसंपत्तियां वित्त वर्ष 2019 के अंत में करीब 41 लाख करोड़ रुपये से 22 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2022 के अंत में 49.8 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गईं।

ये आंकड़े संकेत देते हैं कि पूंजीगत खर्च के वित्त पोषण के बजाय कंपनियों ने पूंजी भंडार और शेयरधारकों के लिए ज्यादा लाभांश चुकाने के लिए अपनी आय और नकद प्रवाह में तेजी का इस्तेमाल किया। वित्त वर्ष 2022 के अंत में कंपनियां का नकदी एवं बैंक बैलेंस सालाना आधार पर 13.4 प्रतिशत बढ़कर 7.54 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि शेयरधारकों के लिए उनका लाभांश भुगतान पिछले वित्त वर्ष सालाना आधार पर 18.8 प्रतिशत बढ़कर 3.05 लाख करोड़ रुपये रहा। लाभांश में शेयर पुनर्खरीद के लिए नकदी खर्च शामिल है। नमूने में शामिल कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022 में अपने शेयरधारकों को शेयर पुनर्खरीद के जरिये 33,254 करोड़ रुपये लौटाए, जो वित्त वर्ष 2021 के 34,271 करोड़ रुपये से सालाना आधार पर 3 प्रतिशत कम है हालांकि कुल लाभांश भुगतान सालाना आधार पर 22.2 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2022 में 2.71 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 2.22 लाख करोड़ रुपये था।यह विश्लेषण बीएसई-500, बीसई मिडकैप और बीएसई स्मॉलकैप सूचकांकों में शामिल 955 कंपनियों के नमूने के सालाना लाभ-नुकसान और बैलेंस शीट पर आधारित है।

विश्लेषक इसके लिए पिछले वित्त वर्ष आय वृद्धि और पूंजीगत खर्च के बीच अंतर को जिम्मेदार करार देते हैं। जेएम फाइनैंशियल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य रणनीतिकार धनंजय सिन्हा का कहना है, 'वित्त वर्ष 2022 में कॉरपोरेट राजस्व और लाभ में ज्यादातर वृद्धि ऊंची कीमतों की मदद से हासिल हुई और इसे खनन, धातु और तेल एवं गैस कंपनियों जैसे जिंस उत्पादकों द्वारा दर्ज की गई तेजी से बढ़त मिली।'

बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय: 21, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001
सीआईएन:L65999WB2001GOI093759
फोन नं.: 033-22225227
ईमेल: lahoti.a@balmerlawrie.com, वेबसाइट: www.blinv.com

सूचना

एतद्द्वारा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों का असूचीयन) विनियमन, 2021 (यथा संशोधित) के विनियमन 5 एवं 6 के अनुपालन के तहत कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड में कई वर्षों से कंपनी के इक्विटी शेयरों के लेनदेन नहीं होने की वजह से बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड (कंपनी) के निदेशक मंडल ने 30 मई, 2022 को आयोजित अपनी बैठक में अन्य विषयों के साथ कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड से कंपनी के इक्विटी शेयरों के स्वैच्छिक असूचीयन हेतु प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

चूंकि, कंपनी के इक्विटी शेयरों की **सूचीबद्धता** राष्ट्रव्यापी ट्रेडिंग टर्मिनल वाले **बम्बई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज, पर जारी रहेगी।** कंपनी को कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड से स्वैच्छिक असूचीयन के कारण शेयरधारकों को निकासी का अवसर प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है।

कृते बामर लॉरी इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड
अभिषेक लाहोटी
कंपनी सचिव
ए25141

स्थानः कोलकाता
दिनांकः 15 जून, 2022